Tni आवाज़

राजस्थान की राजनीति

E-mail: tniawaz.news@gmail.com | आपकी आवाज के साथ.... | RAJHIN/2012/43137

HP NEWS हिन्दुस्तान की आवाज | हिन्दुस्तान पत्रिका HINDUSTAN KI AWAZ

जयपुर, दौसा, करौली, अलवर, टोंक, अजमेर, भरतपुर, धौलपुर, बीकानेर, कोटा, सवाईमाधोपुर से प्रसारित

www.hpnews.in/www.tniawaaz.in | जयपुर, बुधवार 07 मई, 2025 | » वर्षः 2 | » अंकः 187 | » पृष्ठः 8 | » मूल्यः 2.00 रू.

ऑपरेशन सिंदूर-भारत ने पहलगाम हमले का बदला लिया

पाकिस्तान पर 24 मिसाइल दागीं, 100 से ज्यादा आतंकी ढेर; जैश-लश्कर के हेडक्वार्टर तबाह

सोर्स- PTI
मैप प्रतीकात्मक है।

राजस्थान की राजनीति

नई दिल्ली। आखिरकार भारत ने पाकिस्तान के आतंकी संगठनों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई कर ही दी। इंडियन एयरफोर्स ने मंगलवार आधी रात के बाद पाकिस्तान और पीओके, यानी पाक अधिकृत कश्मीर के भीतर एयर स्ट्राइक की।

इस हमले में 7 शहरों के 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया है। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक इसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए हैं। भारत की ये जवाबी कार्रवाई पहलगाम हमले के 15 दिन बाद की गई है और इसका नाम दिया है 'ऑपरेशन सिंदूर'। ये नाम उन महिलाओं को समर्पित है, जिनके पतियों की पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकियों ने हत्या कर दी थी।

पाकिस्तान के इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (ISPR) के डॉयरेक्टर लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा, भारत ने 24 मिसाइलें दागी हैं। न्यूज एजेंसी हृद्ध ने सूत्रों के हवाले से बताया कि पीएम मोदी ऑपरेशन सिंदूर को पूरी रात मॉनिटर करते रहे।

हमले पर पाकिस्तानी मीडिया और सरकार के 3 अलग बयान

पहला॰ पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने जियो टीवी से कहा- भारत ने अपनी हवाई सीमा से पाकिस्तान पर मिसाइल हमले किए हैं, जो नागरिक इलाकों पर गिरे।

दूसरा॰ पाकिस्तानी मीडिया ने दावा किया- पाकिस्तानी सेना ने 6 भारतीय फाइटर जेट मार गिराए। इनमें 3 राफेल, 2 मिग-29 और एक सुखोई शामिल है। स्थ्प्ट के पास भारतीय चेकपोस्ट भी तबाह किए हैं।

तीसरा- हमले की लोकेशन और मरने वालों की अलग-अलग संख्या। पाकिस्तान ने रात 2 बजे कहा- हमले 5 ठिकानों पर हुए और 3 लोगों की मौत हुई। 3 घंटे बाद यानी सुबह 5 बजे इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (ISPR) डारयेक्टर अहमद शरीफ चौधरी ने कहा, %भारत ने 6 इलाकों में 24 मिसाइलें दागीं। इनमें 8 नागरिक मारे गए, 35 घायल और 2 लापता हैं।

भारत ने कहा- पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर हमले नहीं किए

इंडियन आर्मी ने कहा कि स्ट्राइक में केवल आतंकी ठिकानों पर हमले किए गए हैं। किसी पाकिस्तानी सैन्य ठिकाने पर हमला नहीं किया गया। न्यूज एजेंसी हृद्ध ने सूत्रों के हवाले से बताया कि जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर के ठिकानों को ही टारगेट के तौर पर सिलेक्ट किया गया था।

पहलगाम हमले में 26 पर्यटक मारे गए, TRF जिम्मेदारी लेकर मुकरा

कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमले में एक नेपाली नागरिक समेत 26 पर्यटक मारे गए थे। आतंकियों ने धर्म पूछकर गोली मारी थी। हमले की जिम्मेदारी पहले लश्कर-ए-तैयबा के प्रॉक्सी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (TRF) ने ली थी, हालांकि वह बाद में इससे मुकर गया था।

अमेरिका ने कहा- यह शर्मनाक है अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'यह शर्मनाक है। मुझे लगता है कि लोगों को पता था कि कुछ होने वाला है। वे लंबे समय से लड़ रहे हैं। अगर आप इसके बारे में सोचें तो वे कई दशकों और सदियों से लड़ रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि यह जल्द ही खत्म हो जाएगा।'

कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमला हुआ था। इसमें 26 पर्यटक मारे गए थे। इसमें एक नेपाल का टूरिस्ट भी शामिल था। आतंकियों ने पर्यटकों का धर्म पूछकर गोली मारी थी। पहलगाम आतंकी हमले की जिम्मेदारी पहले द रेजिस्टेंस फ्रंट (TRF) ने ली थी, हालांकि बाद में इससे मुकर गया था।

पाकिस्तानी आर्मी ने UN ठिकाने पर भी गोलाबारी की

एयर स्ट्राइक के बाद LoC और इंटरनेशनल बॉर्डर पर पाकिस्तानी सेना लगातार फायरिंग कर रही है। पुंछ स्थित यूनाइटेड नेशंस के फील्ड स्टेशन के सामने भी एक गोला आकर गिरा, लेकिन फील्ड स्टेशन को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

ओवैसी ने कहा- पाकिस्तान को ऐसा सबक जरूरी था

AIMIM चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमारी सेना के सटीक हमलों का स्वागत करता हूं। पाकिस्तान की सरकार और सेना को ऐसा सबक मिलना चाहिए कि वो फिर कभी ऐसा कदम न उठाए। वहां बने आतंक के अड्डों को पूरी तरह खत्म कर देना चाहिए। जय हिंद।

एयरस्ट्राइक टारगेट्स पर मीडिया को ले जाएगी पाकिस्तान आर्मी

इंडियन एयरफोर्स ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत जिन इलाकों को निशाना बनाया है, वहां पर पाकिस्तान आर्मी मीडिया को लेकर जाएगी। एयर स्ट्राइक के बाद से ही पाकिस्तान दावा कर रहा है कि हमले में सिविलंयस भी मारे गए हैं।

पहलगाम हमले में मारे गए संतोष जगदाले की बेटी बोलीं- यह सच्ची श्रद्धांजलि

पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए संतोष जगदाले की बेटी असावरी जगदाले ने कहा, 'ऑपरेशन का नाम सुनकर मैं खूब रोई। यह आतंकी हमले में मारे गए लोगों के लिए सच्ची श्रद्धांजलि और न्याय है।'

भारत की एयर स्ट्राइक का इजराइल ने समर्थन किया

भारत में इजराइल के राजदूत रेउवेन अजार ने 'X' पर लिखा कि आत्मरक्षा के भारत के अधिकार का समर्थन करता है। आतंकवादियों को जान लेना चाहिए कि निर्दोषों के खिलाफ किए गए उनके घिनौने अपराधों से बचने के लिए अब कहीं कोई जगह नहीं है।

मुरीदके में तबाह बिल्डिंग का पहला

मुरीदके में एयरस्ट्राइक के बाद एक बिल्डिंग पूरी तरह तबाह हो गई है। पाकिस्तान के पंजाब में मुदरीके में मरकज तैयबा को एयरस्ट्राइक में तबाह कर दिया गया। यह सन 2000 में बना था। यह लश्कर का सबसे अहम ठिकाना और ट्रेनिंग सेंटर है।

कश्मीर यूनिवर्सिटी ने सभी एग्जाम कैंसिल किए

पाकिस्तान पर एयरस्ट्राइक के बाद श्रीनगर स्थित कश्मीर यूनिवर्सिटी में सभी एग्जाम कैंसिल कर दिए गए हैं। यूनिवर्सिटी ने कहा कि परीक्षाओं की नई तारीखें बाद में जारी की जाएंगी।

ए राजा का निर्वाचन रद्द करने का फैसला निरस्त

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने केरल उच्च न्यायालय के उस फैसले को मंगलवार को खारिज कर दिया जिसमें इडुक्की जिले की देवीकुलम विधानसभा सीट से माकपा के नेता ए. राजा का निर्वाचन रद्द कर दिया गया था। न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने उच्च न्यायालय के 23 मार्च 2023 के आदेश के खिलाफ राजा द्वारा दायर अपील स्वीकार कर ली। पीठ ने कहा, उच्च न्यायालय द्वारा दिया गया निर्णय निरस्त किया जाता है और चुनाव याचिका खारिज की जाती है।

(विवरण पेज 9)

एयर इंडिया की तेल अवीव के लिए उड़ानें कल तक निलंबित

नई दिल्ली। एयर इंडिया ने सोमवार को घोषणा की कि तेल अवीव और भारत के बीच उसकी उड़ान सेवाएं आठ मई तक के निलंबित रहेंगी। एयरलाइन ने रविवार को विमान सेवाओं को छह मई तक निलंबित करने का निर्णय लिया था। तब दिल्ली से तेल अवीव जा रही उसकी एक उड़ान को तेल अवीव में हवाईअड्डे के पास मिसाइल हमले के कारण अबू धाबी की ओर मोड़ना पड़ा था। एअर इंडिया सामान्य रूप से तेल अवीव के लिए सप्ताह में पांच उड़ानें संचालित करती है। एअर इंडिया ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, 'तेल अवीव के लिए और वहां से हमारी उड़ानें आठ मई तक निलंबित रहेंगी।

परमाणु संयंत्रों, सैन्य ठिकानों, रिफाइनरी व जल विद्युत बांधों जैसे संवेदनशील प्रतिष्ठानों वाले

300 जिलों में आज जंग की मॉक ड्रिल

- केंद्रीय गृह सचिव की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक
- पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच उभरे 'नए और जटिल खतरों' को देखते हुए गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों से मॉक ड्रिल करने को कहा

जम्मू : 'राष्ट्रव्यापी नागरिक सुरक्षा' के तहत मॉक ड्रिल में भाग लेतीं स्कूली छात्राएं।

नई दिल्ली (भाषा)। परमाणु संयंत्रों, सैन्य ठिकानों, रिफाइनरी और जलविद्युत बांधों जैसे संवेदनशील प्रतिष्ठानों वाले करीब 300 'नागरिक सुरक्षा जिलों' में हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरन, 'शत्रुतापूर्ण हमले' के लिए नागरिक प्रशिक्षण और बंकरों और खंदकों की सफाई के साथ बुधवार को 'मॉक ड्रिल' का आयोजन किया जाएगा। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन की अध्यक्षता में मंगलवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में लोगों की सक्रिय सहभागिता के साथ 'मॉक' अभ्यास करने पर विस्तार से चर्चा की गई।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ बढते तनाव के बीच उभरे 'नए और जटिल खतरों' को देखते हुए गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों से बुधवार को मॉक ड्रिल करने को कहा है। सभी राज्यों में अधिकारी मॉक ड्रिल के दौरान शिक्षण संस्थानों के छात्रों, सरकारी और निजी संस्थानों के कर्मचारियों, अस्पताल कर्मचारियों, रेलवे और मेट्रो अधिकारियों के अलावा पुलिस, अर्द्धसैनिक और रक्षा बलों के वर्दीधारी कर्मियों को भी शामिल करेंगे।

सूत्रों ने कहा कि नागरिक सुरक्षा जिले और सामान्य प्रशासनिक जिले भिन्न होते हैं। किसी भौगोलिक क्षेत्र में छावनी, रिफाइनरी या परमाणु संयंत्र होने पर उसे आवश्यकता और तात्कालिकता के आधार पर 'नागरिक सुरक्षा जिले' के रूप में चिह्नित किया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'ऐसे जिलों को संबंधित राज्य प्राधिकारियों द्वारा नामित किया जाता है, और हमारा मानना है कि देश भर में लगभग 300 ऐसे नागरिक सुरक्षा जिलों में मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा।' उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने कहा कि केंद्र सरकार ने मॉक ड्रिल के लिए राज्य में 19 जिलों की पहचान की है, लेकिन राज्य सरकार ने इसे राज्य के सभी जिलों में करने का निर्णय लिया है। उन्होंने लखनऊ में संवाददाताओं से कहा, 'हमें सात मई को आयोजित होने वाले नागरिक सुरक्षा मॉक ड्रिल के लिए भारत सरकार से निर्देश प्राप्त हुए है। 19 जिलों की पहचान की गई है, जिनमें एक जिला 'ए' श्रेणी में है, दो 'सी' श्रेणी में है, और शेष जिले 'डी' श्रेणी में है।' कुमार ने कहा, 'हालांकि, संवेदनशीलता को देखते हुए राज्य सरकार ने निर्देश दिया है कि सभी जिलों में मॉक ड्रिल की जाएगी और पुलिस, प्रशासन, अग्निशमन, आपदा मोचन बल आदि सब इसमें भाग लेंगे।'

गृह मंत्रालय के अनुसार मॉक ड्रिल के दौरान किए जाने वाले उपायों में हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरन का संचालन, लोगों को 'शत्रु के हमले' की स्थिति में खुद को बचाने के लिए सुरक्षा पहलुओं पर प्रशिक्षण देना और बंकरों तथा खंदकों की सफाई करना शामिल है। अन्य कदमों में दुर्घटना की स्थिति में 'ब्लैकआउट' के उपाय, महत्वपूर्ण संयंत्रों और प्रतिष्ठानों की रक्षा तथा निकासी योजनाओं को अद्यतन करना एवं उनका पूर्वाभ्यास करना शामिल है। 'मॉक ड्रिल' में वायुसेना के साथ हॉटलाइन और रेडियो-संचार लिंक का संचालन, नियंत्रण कक्षों और छाया नियंत्रण कक्षों की कार्यक्षमता का परीक्षण भी शामिल है। अग्निशमन सेवा, नागरिक सुरक्षा और होम गार्ड महानिदेशालय की ओर से जारी पत्र में कहा गया है, 'मौजूदा भू-राजनीतिक परिदृश्य में नये और जटिल खतरे/चुनौतियां उभरी है, इसलिए यह समझदारी होगी कि राज्यों/केंद्र-शासित प्रदेशों में हर समय इष्टतम नागरिक सुरक्षा तैयारियां रखी जाएं।'

इस अभ्यास का आयोजन गांव स्तर तक योजनाबद्ध तरीके से किया जाएगा तथा इसका उद्देश्य सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में नागरिक सुरक्षा तंत्र की तैयारी का आकलन करना और उसे मजबूत करना है। पत्र में कहा गया है कि इस अभ्यास में जिला नियंत्रकों, विभिन्न जिला प्राधिकारियों, नागरिक सुरक्षा वार्डन, स्वयंसेवकों, होमगार्ड, राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस), कॉलेज और स्कूल के छात्रों की सक्रिय भागीदारी की परिकल्पना की गई है। उसने कहा, 'उक्त नागरिक सुरक्षा अभ्यास का उद्देश्य विभिन्न नागरिक सुरक्षा उपायों के परिचालन के प्रभाव और समन्वय का आकलन करना है।'

NCR में पूरी तरह बंद कराएं पटाखे अन्यथा अवमानना की कार्रवाई

नई दिल्ली (एसएनबी)। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा सरकार को निर्देश दिया कि वे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में आने वाले इलाकों में पटाखों पर 'सख्ती से' प्रतिबंध सुनिश्चित करें, अन्यथा अवमानना कार्रवाई की जाएगी।

- सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों से पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत निर्देश जारी करने को कहा

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने सरकारों से पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत निर्देश जारी करने को कहा, जिसमें सभी प्रकार के पटाखों के निर्माण, बिक्री, भंडारण और ऑनलाइन उपलब्धता पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए। इसने कहा कि न केवल इस न्यायालय के आदेश, बल्कि ईपीए की धारा 5 के तहत जारी निर्देशों को राज्यों के सभी कानून प्रवर्तन तंत्रों के माध्यम से सख्ती से लागू किया जाना चाहिए।

अधिनियम की धारा 5 में कहा गया है कि केंद्र सरकार अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए पर्यावरण प्रदूषण को विनियमित करने के लिए किसी भी अधिकारी या प्राधिकरण को निर्देश जारी कर सकती है।

मकान की छत से पैर फिसल कर गिरकर महिला की मौत

कपड़े सुखाते वक्त अचानक पैर फिसलने से हुआ हादसा

राजस्थान की राजनीति

नदबई। घर की छत पर कपड़े सुखाकर नीचे उतरते समय महिला का पैर फिसल गया, जिससे महिला की मौत हो गई। महिला लक्ष्मणगढ़ पंचायत समिति में कनिष्ठ लिपिक के पद पर कार्यरत थी। घटना के वक्त परिजनों में कोहराम मच गया, घटना नदबई कस्बे में कासगंज रोड़ स्थित मकान पर मंगलवार दोपहर की है। सहायक पुलिस उप निरीक्षक रमेश ने बताया कि, रिंकी कुमारी (35) पत्नी लखपत सिंह निवासी गाजीपुर, हाल निवास कासगंज रोड नदबई, मंगलवार दोपहर अपने घर की छत पर कपड़े सुखाने गई थीं। कपड़े सुखाने के बाद जब वह सीढ़ियों से नीचे उतर रही थी, तभी अचानक पैर फिसलने से वह असंतुलित हो गई और सीधा नीचे आ गिरी। सिर में गंभीर चोट लगने से महिला बेहोश हो गई। गिरने की आवाज सुनकर परिजन तुरंत सीडियों की तरफ पर दौडे तुरंत इलाज के लिए राजकीय जिला अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही नदबई थाना पुलिस मौके पर पहुंची, सहायक पुलिस उप निरीक्षक रमेश ने बताया कि, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। जहां पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। परिजनों के अनुसार, रिंकी कुमारी लक्ष्मणगढ़ पंचायत समिति में कनिष्ठ लिपिक पद पर कार्यरत थी और दो बच्चों की मां थी। पति लखपत सिंह निजी नौकरी करता है, रिंकी की अकस्मात मौत से घर में कोहराम मचा हुआ है, बच्चों और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

नदबई जिला अस्पताल में लैब टेक्नीशियनों ने काली पट्टी बांधकर बताया विरोध

रिक्त पदों सहित 5 सूत्रीय मांगो को पूरा करने की मांग

राजस्थान की राजनीति

नदबई। जिला चिकित्सालय के प्रयोगशाला विभाग के कर्मचारी अपनी 5 सूत्रीय मांगों को लेकर अहिंसावादी आंदोलन कर रहे हैं। कर्मचारियों का आरोप है कि, स्थानीय प्रशासन उनकी मांगों पर कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं कर रहा, जिससे उनमें गहरा रोष व्याप्त है। आंदोलन के तहत कर्मचारीओं ने काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराया। प्रयोगशाला विभाग में कर्मचारियों की भारी कमी ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। वर्तमान में लैब टेक्नीशियन संवर्ग के तीन पद रिक्त हैं, जबकि जांचों की संख्या में 200 प्रतिशत तक की वृद्धि हो चुकी है। इससे कर्मचारियों पर कार्य का बोझ बढ़ गया है और मरोजों की जांचे प्रभावित हो रही है।

वरिष्ठ लैब टेक्नीशियन अमित उपमन ने बताया कि, राज्य सरकार ने प्रयोगशाला जांचों की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए बायोकेमिस्ट डॉ. मुकेश बुनकर और माइक्रोबायोलॉजिस्ट डॉ. सरिता की नियुक्ति चार माह पूर्व की थी, लेकिन इन्हें अभी तक ड्यूटी पर नहीं लगाया गया है। उन्होंने कहा, ÷हमने कई बार मौखिक और लिखित रूप से प्रभारी को अवगत कराया, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई है, मजबूरन हमें अहिंसावादी आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा।

वहीं मुख्यमंत्री निःशुल्क जांच योजना के तहत भी नदबई जिला चिकित्सालय की लेब में कोई संविदा कर्मचारी नियुक्त नहीं किया गया है। अन्य उप जिला और जिला स्तरीय चिकित्सालयों में प्लेसमेंट एजेंसियों के माध्यम से लैब क्लीनर और लैब सहायक नियुक्त किए गए हैं, लेकिन नदबई में इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया गया। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि, यदि प्रशासन ने शीघ्र ही उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं की, तो वे अगले सप्ताह से आंदोलन को और तेज करेंगे। अस्पताल प्रशासन की इस उदासीनता से न केवल कर्मचारियों का मनोबल टूट रहा है, बल्कि मरीजों को भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित होना पड़ रहा है।

इस मौके पर लैब टेक्नीशियन ज्योति, लैब सहायक कमलराज, कुंवर सिंह सहित अन्य कर्मचारी शामिल हैं।

भीषण गर्मी के चलते राहगीरों के लिए भामाशाह जिंदल ने लगवाया वाटर कूलर

स्टेशन रोड स्थित पुरानी पीएनबी गली के पास से निकलने वाले

राहागीरों के लिए ठंडा पेयजल की मिलेगी सुविधा

राजस्थान की राजनीति

नदबई। राजस्थान में इन दिनों भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है, अभी कुछ मौसम में जगह-जगह बारिश होने के चलते हीटबेव का प्रकोप कम हो गया है और वही तापमान भी गिरावट आई है। इस बीच सामाजिक सरोकार निभाते हुए भामाशाह रामवतार जिंदल उर्फ रामू पुत्र द्वारिका प्रसाद ऊर्फ जाजू सेठ द्वारा पुरानी पंजाब नेशनल बैंक वाली गली के सामने ठंडे पानी का वाटर कूलर लगवाया गया है। वाटर कूलर स्थापित कराने वाले रामवतार जिंदल उर्फ रामू ने पूजा-अर्चना कर विधिवत उद्घाटन किया। इसके बाद वाटर कूलर को चालू किया गया। जिंदल ने बताया कि, इस इलाके में पहले भी कई वाटर कूलर लगे हुए थे, वह वाटर कूलर भी भामाशाहओ ने ही लगवाए थे, लेकिन मेंटेनेंस नहीं होने के चलते कई वाटर कूलर वहां बंद पड़े हुए थे। जिससे राहगीरों को खासकर दोपहर के समय काफी परेशानी होती थी। इसी को देखते हुए उन्होंने यह वाटर कूलर लगवाने का निर्णय लिया, ताकि गर्मी में लोगों को शीतल जल उपलब्ध कराया जा सके। जबकि भामाशाह अजय जैन वाइस चेयरमैन एवं मुकेश जैन पुत्र खेमचंद जैने ने कई वर्षों पहले ही, इस रोड पर लगवाया था रहागीरों के लिए ठंडा पेयजल पीने के लिए वाटर कूलर। वहीं देखने में आया है कि इस स्टेशन रोड पर लगे हुए हैं तीन-चार वाटर कूलर, रहागीरों ने भामाशाह रामू जिंदल पुत्र द्वारका जिंदाल उर्फ जाजू सेठ का तहे दिल से आभार जताया।

लोक देवता कारिस देव मन्दिर जहाज का होगा कायाकल्प

मुख्यमंत्री के निर्देश पर बनेगा भव्य पनोरमा, सड़क का होगा विस्तार

राज्य सरकार ने स्वीकृत किये 3.60 करोड़ रूपये

राजस्थान की राजनीति

हलैना(विष्णु मित्तल)। भरतपुर जिले के वैर उपखंड के जहाज गांव में स्थित लोक देवता कारिस देव के जन्म स्थान पर देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं को आने वाले समय में नये कायाकल्प के साथ मन्दिर एवं सम्पूर्ण मार्ग पर आमजन को आधुनिक सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में जिले में चल रहे विकास कार्यों की कडी में नया अध्याय जुडते हुए मुख्यमंत्री के निर्देश पर वैर उपखंड स्थित लोक देवता कारसदेव के जहाज गांव में मन्दिर के सौन्दर्यकरण, सुविधाओं एवं पनोरमा के लिए 3.60 करोड़ रूपये राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत किये गये है। लोकदेवता कारसदेव के जन्म स्थान पर वर्ष में दो बार भाद्रपद एवं बैसाख माह में लख्खी मेला आयोजित किया जाता

है जिसमें राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, हरियाणा, दिल्ली सहित 11 राज्यों से श्रद्धालु अपनी मनौती पूरी होने पर दर्शन करने आते हैं। यहां वर्षभर नियमित रूप से गोठ के आयोजन भी होते हैं जिसमें श्रद्धालु अपने बच्चों के मुंडन संस्कार, नव वर-वधु को ढोक दिलाने की परम्परा का निवर्हन करते हैं। मुख्यमंत्री श्री शर्मा के वीजन के अनुरूप जिले में धार्मिक पर्यटन को बढावा देने एवं ऐतिहासिक व धार्मिक महत्व के स्थलों के संरक्षण की दिशा में किये जा रहे कार्यों की कडी में कारसदेव मन्दिर का भी चयन किया गया है। इसमें बल्लभगढ से जहाज गांव की सड़क के विकास के लिए वन विभाग में पत्रावली डायवर्जन प्रस्ताव के साथ भेजी जा चुकी है जिससे इस मार्ग का विस्तार होने से मेले के समय लगने वाले जाम की समस्या से निजात मिलेगी तथा सभी मौसम के दौरान श्रद्धालु सुलभ यात्रा कर सकेंगे। गृह राज्यमंत्री श्री जवाहरसिंह बेढ़म गत 16 अप्रेल को मेले के उद्घाटन कार्यक्रम में शिरकत करते हुये उन्होंने सम्पूर्ण मन्दिर परिसर की साफ-सफाई एवं भवनों की रंगाई-पुताई के लिए ग्राम पंचायत को निर्देशित किया। मन्दिर को नया रूप देने का कार्य ग्राम पंचायत एवं मन्दिर विकास समिति द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि लोकदेवता कारिस देव पूर्वी राजस्थान एवं बुन्देलखंड क्षेत्र में सभी जातियों में लोकदेवता के रूप में पूजे जाते हैं। किसान वर्ग द्वारा पशुओं के रक्षक के रूप में इनके गांव-गांव में थानक बनाकर पूजा की जाती है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर यहां भव्य पनोरमा बनेगा, यात्रियों को आवागमन की सुविधा मिलेगी, मन्दिर का विकास कार्य हाथ में लिया जायेगा।

हीट वेव प्रबंधन को लेकर जिला प्रभारी डॉ. खंडेलवाल ने किया चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण

राजस्थान की राजनीति

धौलपुर (दीपू वर्मा)। प्रदेश में बढ़ती गर्मी और लू तापघात से आमजन के बचाव तथा उपचार की तैयारियों को लेकर जमीनी हाल जानने हेतु निदेशालय जयपुर से जिले के प्रभारी डॉ अनमोल खंडेलवाल सोमवार से धौलपुर दौरे पर है। डॉ. खंडेलवाल ने विगत दो दिन में जिले के करीब एक दर्जन से अधिक चिकित्सा संस्थानों का औचक निरीक्षण कर लू ताप घात से बचाव की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. धर्मसिंह मीणा भी उनके साथ रहे। निरीक्षण के क्रम में डॉ. खंडेलवाल ने सोमवार को जिला अस्पताल बाड़ी, सीएचसी सरमथुरा, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बड़ागांव का निरीक्षण किया। साथ ही मंगलवार को जिला अस्पताल धौलपुर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनियां, ट्रॉमा सेंटर मनियां, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बदरिका का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सभी चिकित्सा संस्थानों पर हीटवेव से बचाव एवं उपचार की व्यवस्थाओ की समीक्षा की गई। अस्पतालों में कूलर, पंखे, एसी, पीने का पानी, वाटर कूलर आदि क्रियाशील मिले। चिकित्सा संस्थानों पर सभी व्यवस्थाएं माकूल पाई गई। लू ताप घात के अतिरिक्त उन्होंने चिकित्सा संस्थानों पर प्रत्येक वार्ड, दवा वितरण केंद्र, प्रसव कक्ष , जांच कक्ष तथा

उपलब्ध संसाधनों का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में मिल रही सेवाओं को लेकर मरीजों तथा उनके परिजनों से फीडबैक लिया। उन्होंने अस्पतालों के बायोमेडिकल वेस्ट के समुचित निस्तारण के भी निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने मौके पर ही चिकित्सा संस्थानों से रोजाना बायोमेडिकल वेस्ट उठाने हेतु बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट कंपनी के संचालक को दूरभाष पर निर्देश दिए। उन्होंने अस्पतालों के आरएमएस का लेखा-जोखा देखा और आवश्यकता अनुसार मरीज की सुविधा विस्तार हेतु उपयोग के निर्देश दिए। उन्होंने आवश्यक दवाइयों की शत प्रतिशत उपलब्धता पर जोर देते हुए हीट वेव से बचाव हेतु सभी स्वास्थ्य कर्मियों को सघन प्रशिक्षण देने के निर्देश भी दिए। उन्होंने हीट वेव से बचाव के लिए आम जान में सघन प्रचार प्रसार करने के भी निर्देश दिए। सीएमएचओ डॉ धर्म सिंह मीणा ने बताया कि डॉ खंडेलवाल आगामी 10 मई तक जिले के विभिन्न उप जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा पीएचसी का निरीक्षण कर जिला व राज्य स्तर पर अपना फीडबैक देंगे जिसके अनुसार आगामी सुधार के प्रयास किए जाएंगे। डॉ मीणा द्वारा सभी अस्पतालों को राज्य सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन अनुसार सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ हीट वेव प्रबंधन के निर्देश जारी किए गए हैं। निरीक्षण के दौरान उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ चेतराम मीणा सहित अन्य मौजूद रहे।

चुनाव आयोग के साथ राजनीतिक दल की बैठक

बहुजन समाज पार्टी के साथ चुनाव आयोग की मुलाक़ात

राजस्थान की राजनीति

भरतपुर। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू एवं डॉ. विवेक जोशी ने आज निर्वाचन सदन में बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमारी मायावती के नेतृत्व में पार्टी प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत की। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विभिन्न हितधारकों के साथ नियमित और बेहतर संवाद को बढ़ावा देने के प्रयासों के तहत, आयोग ने राष्ट्रीय और राज्य स्तर की राजनीतिक पार्टियों के साथ संवाद की पहल की है। यह संवाद लंबे समय से आवश्यक रचनात्मक चर्चा का मंच प्रदान करेगा, जिससे राष्ट्रीय और राज्य पार्टी अध्यक्ष सीधे आयोग के साथ अपने सुझाव और चिंताएं साझा कर सकेंगे। यह पहल आयोग की व्यापक दृष्टि के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य मौजूदा कानूनी ढांचे के तहत सभी हितधारकों के साथ मिलकर निर्वाचन प्रक्रिया को और अधिक सशक्त बनाना है। पूर्व में कुल 4,719 सर्वदलीय बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं, जिनमें 40

बैठकें मुख्य चुनाव अधिकारियों द्वारा, 800 जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा और 3,879 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा आयोजित की गई, जिनमें विभिन्न राजनीतिक दलों के 28,000 से अधिक प्रतिनिधियों की भागीदारी रही। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन के अनुसार राजस्थान में 200 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी स्तर पर कुल 921 तथा 33 जिला निर्वाचन अधिकारी स्तर पर कुल 182 राजनैतिक प्रतिनिधियों ने आयोजित हुई बैठकों मे भाग लिया था। राज्य स्तर कि बैठक मुख्य निर्वाचन अधिकारी कि अध्यक्षता मे आयोजित हुई थी जिसमे सभी प्रमुख राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नदबई में खुले नाले बना रहे हैं परेशानी का सबब

कासगंज रोड पर दुर्गंध से आमजन है परेशान, बच्चे व बुजुर्गों और पशुओं के लिए बना हुआ है खतरा

राजस्थान की राजनीति

नदबई। कस्बे में खुले पड़े नाले हादसों को न्योता दे रहे हैं, लेकिन नगर पालिका प्रशासन की उदासीनता के चलते इस गंभीर समस्या का कोई समाधान नहीं हो रहा है। शहर के विभिन्न हिस्सों, विशेष रूप से कासगंज रोड पर लंबे समय से खुले नाले न केवल आम जनता के लिए खतरा बने हुए हैं, बल्कि बेसहारा पशुओं के लिए भी जानलेवा साबित हो रहे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि बार-बार शिकायत के बावजूद पालिका प्रशासन कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा, जिससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

खुले नालों से हादसों का खतरा

कासगंज रोड पर स्थित कॉलोनियों में नाले पूरी तरह से खुले पड़े हैं और कई जगह तो ये ओवरफ्लो की स्थिति में हैं। गंदा पानी सड़कों पर फैल रहा है, जिससे दुर्गंध और बीमारियों का खतरा बना हुआ है। स्थानीय निवासी विष्णु ने बताया, ÷नाले खुले होने की वजह से आए दिन कोई न कोई हादसा हो रहा है। बच्चे और बुजुर्गों को सड़क पर चलना मुश्किल हो गया है। बेसहारा पशु, खासकर गाय और कुत्ते, इन नालों में गिरकर घायल हो रहे हैं या उनकी मौत हो रही है।÷ उन्होंने आगे कहा कि पालिका प्रशासन को कई बार इस समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिलता है।

पालिका प्रशासन व विधायक की लापरवाही आ रही है सामने

स्थानीय लोगों का आरोप है कि, पालिका प्रशासन व विधायक इस समस्या को लेकर पूरी तरह से बने हुए हैं लापरवाह। कासगंज रोड के वाशिंदो ने कहा, ÷हम पालिका अध्यक्ष और जनप्रतिनिधियों से कह-कहकर थक चुके हैं। हर बार यही जवाब मिलता है कि बजट की कमी है। लेकिन सवाल यह है कि शहर की मूलभूत समस्याओं के लिए बजट क्यों नहीं होता?÷ लोगों का कहना है कि खुले नालों को ढकने और उनकी नियमित सफाई के लिए कोई ठोस योजना नहीं बनाई जा रही है। बेसहारा पशुओं का संकट खुले नालों का सबसे ज्यादा है, खामियाजा बेसहारा पशुओं को भुगतना पड़ रहा है। जब इस मामले में पालिका प्रशासन से व विधायक से संपर्क करने की कोशिश की गई तो कोई ठोस जवाब नहीं मिला।

अब देखना होगा कि नदबई विधायक इस मामले में नगर पालिका प्रशासन के खिलाफ लेंगे कोई प्रशंज्ञान या फिर नगर पालिका प्रशासन ऐसे ही करता रहेगा अपनी मनमर्जी। या फिर इन खुले नालों को ढकवा कर विधायक आमजन सहित आवारा पशुओं को दिलवाएंगे राहत।

पिचुना में जिला कलक्टर की रात्रि चौपाल

ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं, दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

राजस्थान की राजनीति

भरतपुर। जिला कलक्टर डॉ. अमित यादव ने जिले के उच्चैन उपखंड के पिचूना गांव में रात्रि चौपाल का आयोजन कर ग्रामीणों के अभाव अभियोग सुने। इस दौरान ग्रामीणों ने अपनी विभिन्न समस्याओं से जिला कलक्टर को अवगत कराया,जिस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। रात्रि चौपाल में लगभग 20 से अधिक प्रकरण प्राप्त हुए।

रात्रि चौपाल में जिला कलक्टर डॉ. यादव ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन डालने के लिए खोदी गई सड़क को तत्काल ठीक कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़क पर जल जमाव की समस्या के समाधान के लिए नाले से पानी की निकासी सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। ग्रामीणों द्वारा आम रास्तों पर अतिक्रमण की शिकायत पर जिला कलक्टर ने तत्काल अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए। विशेष रूप से नंगला तोता से बेटवाला रास्ते पर हुए अतिक्रमण को प्राथमिकता से हटाने के लिए कहा गया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने टूटी हुई पाइपलाइन को दुरुस्त कर जल्द से जल्द चालू करने के निर्देश भी दिए ताकि ग्रामीणों को पेयजल की समस्या का सामना न करना पड़े।

मेहवर बस्ती स्थित स्कूल के पास की सड़क की मरम्मत कराने और वहां स्पीड ब्रेकर लगवाने के निर्देश भी जिला कलक्टर ने दिए ताकि विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। पिथुना गांव के श्मशान घाट में खराब पड़े हैंडपंप को तुरंत ठीक कराने के निर्देश दिए गए, जिससे अंतिम संस्कार के लिए आने वाले लोगों को सुविधा मिल सके। पिथुना से विलान चेहपुरा के बीच अवरुद्ध रास्ते से अतिक्रमण हटाकर उसे बहाल करने के लिए भी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। राजस्व रिकॉर्ड में नाम शुद्धिकरण से संबंधित मामलों के त्वरित निस्तारण के भी निर्देश दिए गए। इसके अलावा, पिथुना में पटवार भवन के निर्माण के लिए प्रस्ताव भिजवाने के निर्देश भी जिला कलक्टर ने दिए। पेयजल से संबंधित सभी प्रकरणों को प्राथमिकता से हल करने के लिए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को विशेष रूप से निर्देशित किया गया। जिला कलक्टर ने ग्रामीणों को राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से अधिकाधिक लाभान्वित करने पर भी जोर दिया। रात्रि चौपाल के दौरान उपखंड अधिकारी भारती गु?ता, तहसीलदार दिनेश यादव, पिथुना सरपंच नवीन शर्मा, पटवारी रामकेश सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे, जिन्होंने अपनी समस्याओं को खुलकर जिला कलक्टर के समक्ष रखा। जिला कलक्टर ने सभी की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और उनके समाधान का आश्वासन दिया।

एलपीजी सिलेंडर लगे खड़े पार्सल टेंपो में लगी आग

राजस्थान की राजनीति

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। दौसा शहर में लगातार हो रहे वाहनों में अवैध गैस रिफिलिंग की वजह से आए दिन हादसे हो रहे हैं। चाहे स्कूल की वेन हो या फिर अस्पताल की एंबुलेंस हो या फिर हो लोडिंग टेंपो में अक्सर अवैध एलपीजी गैस के सिलेंडरों से चल रही है। ऐसे में आए दिन हादसे हो रहे हैं। ऐसा ही एक हादसा दौसा के सैंथल रोड स्थित दुर्गा मंदिर के पास एक लोडिंग टेंपो में मंगलवार को दोपहर में एलपीजी गैस सिलेंडर लगे टैम्पो में अचानक आग लग गई। आग लगते ही आसपास अफरा तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने आग पर बड़ी मुश्किल से काबू पाया गया। बताया जा रहा है कि इस लोडिंग टेंपो करियर के उपयोग में लिया जाता था। जिसके चलते इसमें एलपीजी सिलेंडर लगे होने से अचानक आग लग गई। आग लगने से आसपास के लोगों ने दमकल और पुलिस को सूचना दी। गनीमत रही कि जल्दी ही आग पर काबू पा लिया गया वरना बड़ा हादसा हो सकता था। पास में ही पेट्रोल पंप भी है ऐसे में एक और नई त्रासदी हो सकती थी। मौके के लोडिंग टेंपो का चालक फरार हो गया।

खाद्य सुरक्षा एवं सर्तकता समिति के गैरसरकारी मनोनीत सदस्यों की बैठक

खाद्य सुरक्षा में अपील के माध्यम से नाम जुड़वाने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी

राजस्थान की राजनीति

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। जिले में तहसील स्तरीय खाद्य सुरक्षा एवं सर्तकता समिति के गैरसरकारी मनोनीत सदस्यों की बैठक जिला रसद अधिकारी मोहनलाल देव की अध्यक्षता में जिला कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में मंगलवार को आयोजित की गई। बैठक में जिला रसद अधिकारी मोहनलाल देव, प्रवर्तन अधिकारी सूरजबाई मीना एवं प्रवर्तन निरीक्षक प्रहलाद मीना ने खाद्य सुरक्षा में अपील के माध्यम से नाम जुड़वाने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने आधार सीडिंग, ई-केवाईसी-फिंगर की समस्या, राशनकार्ड में डिलीट सदस्य को एक्टिव-इनएक्टिव करने, पोस मशीन-आयरिस मशीन से खाद्यान्न वितरण करने एवं मनोनीत गैर सरकारी सदस्यों की भूमिका के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही, विभाग के खाद्य सुरक्षा समावेशन-निष्कासन निर्देशों की प्रति दी गई। खाद्य सुरक्षा का लाभ ले रहे सक्षम परिवारों को चिह्नित कर %गिव अप% अभियान के तहत नाम कटवाने के निर्देश दिए। %गिव अप% योजना से नाम नहीं कटवा रहे अपात्र व्यक्तियों को चिह्नित कर ईओ एवं ईआई के माध्यम से एसडीओ को अपील कर नाम हटवाने के लिए निर्देशित किया गया।बैठक में उपस्थित मनोनीत सदस्यों ने अपने-अपने सुझाव रखे। सदस्यों से प्राप्त सुझावों एवं शिकायतों का निस्तारण जिला एवं खाद्य विभाग स्तर पर करवाया जाएगा।

लू–तापघात प्रबंधन के लिए आरएमएससीएल का सघन निरीक्षण अभियान , हर जिले में दवा आपूर्ति एवं उपकरणों की क्रियाशीलता का होगा निरीक्षण, दो सदस्यीय 27 टीमों का गठन

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। राज्य में लू–तापघात की स्थितियों के दृष्टिगत दवाओं की निर्बाध एवं समुचित आपूर्ति तथा चिकित्सा उपकरणों की क्रियाशीलता को लेकर राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन की ओर से ग्रीष्मकालीन सघन निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा। अभियान के लिए 27 टीमों का गठन किया गया है। उल्लेखनीय है कि विगत दिनों मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा ने प्रदेश में लू–तापघात की स्थितियों में आमजन के स्वास्थ्य को लेकर पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। इन निर्देशों की अनुपालना में चिकित्सा मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से लू–तापघात से बचाव एवं उचपार आदि के संबंध में जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। आरएमएससीएल की प्रबंध निदेशक श्रीमती नेहा गिरि ने बताया कि राज्य में हीटवेव की सम्भावनाओं को देखते हुए ग्रीष्मकालीन सघन निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा। निगम में कार्यरत विशेषाधिकारी, समस्त कार्यकारी निदेशक, लेखाधिकारी तथा जिला औषधि भण्डार गृह के प्रभारी अधिकारी को जिलों का आवंटन कर यह निरीक्षण करवाए जाएंगे। इसके लिए दो सदस्यीय 27 टीमों का गठन किया गया है। यह टीमें निरीक्षण कर जिले में औषधियों, उपकरणों की उपलब्धता एवं क्रियाशीलता को लेकर 30 मई, 2025 तक अपनी विस्तृत रिपोर्ट देंगी।

समस्त टीमों द्वारा न्यूनतम एक भण्डार गृह, एक जिला चिकित्सालय एवं एक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया जाएगा। समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे आवंटित जिलों में न्यूनतम 2 दिवस तक गहन परीक्षण किया जाना सुनिश्चित करेंगे। निरीक्षण में सम्भाग स्तर पर कार्यरत बायोमेडिकल इंजीनियर, संबंधित प्रभारी अधिकारी एवं फार्मासिस्ट भी सहयोग प्रदान करेंगे।

जिले में आज होगी सिविल डिफेंस मॉकड्रिल

ब्लैक आउट के समय आमनागरिकों को स्वतः ही करनी होगी लाईट बंद

राजस्थान की राजनीति

भरतपुर। जिले में ऑपरेशन अभ्यास के तहत बुधवार को जिला मुख्यालय से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक ब्लैकआउट सांयकाल के बाद एवं मॉक ड्रिल स्थान विशेष पर दिन में आयोजित किया जाकर आपदा के समय बचाव एवं सुरक्षात्मक उपायों का रिर्हसल किया जायेगा। मुख्य सचिव श्री सुधांशु पंत की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित वीसी में पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश, जिला कलक्टर डॉ. अमित यादव सहित संबंधित अधिकारियों ने बैठक में भाग लेकर तैयारियों के बारे में बताया। जिला कलक्टर ने अधिकारियों की बैठक लेकर आपातकालीन परिस्थितियों में सिविल डिफेंस सहित प्रशासनिक विभागों की प्रतिक्रिया, क्षमता और आपसी समन्वय के आकलन के लिए यह अभ्यास गांव स्तर तक विस्तारित कर आंकलन करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि इस मॉक ड्रिल का एक प्रमुख उद्देश्य आम जनता, विशेषकर विद्यार्थियों और युवाओं में आपदा प्रबंधन की समझ विकसित करना भी है। उन्होंने कहा कि सभी विभाग भारत सरकार के निर्देशानुसार हो रहे इस अभ्यास के लिए बेहतर समन्वय कर आपातकालीन स्थिति से निपटने का पूर्वाभ्यास करें। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में शैक्षणिक संस्थानों सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित करें, जिससे आपातकालीन स्थिति में अधिकतम जन तक सुरक्षात्मक जानकारी पहुँचायी जा सके।

मॉक ड्रिल के उद्देश्य

जिला कलक्टर ने बताया कि मॉक ड्रिल दिन के समय स्थान विशेष पर किया जायेगा इस दौरान आम नागरिक घबराऐं नहीं अपितु आपात स्थिति में सुरक्षित व्यवहार सीखने के अवसर के रूप में लें। जिला प्रशासन द्वारा जारी एओपी की पालना करें। उन्होंने बताया कि पूर्व अभ्यास के दौरान हवाई हमले की चेतावनी प्रणाली की प्रभावशीलता का परीक्षण, भारतीय वायुसेना के साथ हॉटलाइन, रेडियो लिंक की कार्यशीलता की जाँच, नियंत्रण कक्षों की तत्परता और प्रशासनिक समन्वय क्षमताओं का मूल्यांकन करना है। उन्होंने बताया कि आम नागरिकों एवं छात्रों को आपातकालीन परिस्थितियों में व्यवहार हेतु प्रशिक्षित कर ब्लैकआउट जैसे रणनीतिक उपायों की तैयारी सुनिश्चित करना है।

ब्लैकआउट की पालना स्वतः करनी होगी

जिला कलक्टर ने बताया कि ब्लैक आउट सांयकाल के बाद किया जायेगा जिसमें संभावित हवाई हमले की चेतावनी के समय सुरक्षात्मक उपायों का जांच करना है। उन्होंने बताया कि ब्लैकआउट के समय जैसे ही सायरन बजेंगे, आम नागरिकों को स्वतः ही अपने घरों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों, होटल, उद्योग, ऐतिहासिक व धार्मिक स्थल आदि क्षेत्रों में लाईट बंद रखनी होगी। ऑटो जनरेटर अथवा इन्वेटर से भी लाईट को बंद रखना होगा। उन्होंने बताया कि ब्लैक आउट के समय यातायात एवं रेल परिवहन, रोड लाईट भी स्वतः ही बंद रखनी होंगी। उन्होंने सिविल सोसायटियों, सामाजिक संस्थाओं को इस संबंध में आमलोगों को जागरूक करने का आव्हान किया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को भी ब्लैकआउट की पालना सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिये।

अस्पतालों में जरूरी दवाओं की व्यवस्था के निर्देश

जिला कलक्टर ने आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों के क्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को अस्पतालों में जरूरी दवाओं की व्यवस्था करने तथा मेडिकल स्टाफ को समुचित प्रशिक्षण देने के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने रसद विभाग को आवश्यकतानुसार भोजन प्रबंधन, अग्निशमन विभाग को आग बुझाने वाले वाहनों सहित अन्य उपकरणों के समुचित संचालन आदि के निर्देश दिए। उन्होंने सभी उपखण्ड अधिकारियों और जिला स्तरीय विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को जिले की सुरक्षा योजना का गहन अध्ययन कर उसके अनुसार आपात परिस्थिति के लिए जरूरी संसाधन तैयार रखने के निर्देश दिये।

एनसीसी और स्काउट गाइड विद्यार्थियों की भूमिका महत्वपूर्ण

जिला कलक्टर ने एनसीसी और स्काउट गाइड विद्यार्थियों के आपात योजना से संबंधित प्रशिक्षण पर जोर देते हुए कहा कि यह लोग अपने आस-पड़ोस और आमजन को विशेष परिस्थिति से निपटने में मदद करने की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होंगे। उन्होंने इसके लिए एनसीसी एवं स्काउट अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए कि विद्यार्थियों को आपात स्थिति का सामना करने के लिए तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि बुधवार को होने वाले पूर्व अभ्यास के लिए पुलिस विभाग को अन्य विभागों के साथ बेहतर समन्वय करना होगा।

इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रशासन घनश्याम शर्मा, शहर राहुल सैनी, एएसपी सतीश यादव सहित सेना, प्रशासन, पुलिस, शिक्षा विभाग, सिविल डिफेंस अधिकारी, एनसीसी, एनएसएस के अधिकारी उपस्थित रहे।

चिह्नित ब्लैक स्पॉट्स का एनालिसिस कर जरूरी सुधार के निर्देश दिए

राजस्थान की राजनीति

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। जिलेभर में सुरक्षित एवं सुगम यातायात सुनिश्चित करने के लिए मंगलवार को यहां जिला कलक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर देवलृद्र कुमार की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में 'आई रेड' पोर्टल पर अपलोड एक्सीडेंट डाटा के अनुसार जिले के सभी चिह्नित ब्लेक स्पॉट्स का एनालिसिस किया गया और जरूरी सुधार के लिए संबंधित हितधारक विभागों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। जिला कलक्टर ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई), सार्वजनिक निर्माण विभाग, परिवहन विभाग एवं पुलिस को संयुक्त रूप से एक्सप्रेस-वे का निरीक्षण कर दुर्घटना संभावित स्थलों को चिह्नित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग को सड़क सुरक्षा के दृष्टिकोण से 'आई रेड' एप के माध्यम से जिले की सभी सड़कों का ऑडिट करने के निर्देश दिए। साथ ही, सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग से मिलने वाली सड़कों पर आवश्यक स्थानों पर एनएचएआई से समन्वय कर साइन बोर्ड, स्पीड ब्रेकर आदि लगवाने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को प्रस्तावित एक्सीडेंट कैशलैस ट्रीटमेंट स्कीम लागू करने के लिए जिले के सभी अस्पतालों का रजिस्ट्रेशन करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने हाइवे पर अवैध मीडियन कट बंद करने और हाइवे पर खड़े रहने वाले वाहनों के खिलाफ निरंतर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में जयपुर-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर सिकंदरा चौराहे पर ट्रैफिक लाइट लगाकर यातायात नियंत्रण करने की संभावना पर चर्चा की गई। जिला पुलिस अधीक्षक सागर ने बताया कि सड़क दुर्घटना होने पर पुलिस पहले 'आई रेड' पोर्टल पर एंट्री करती है और उसके बाद एफआईआर दर्ज करना सुनिश्चित कर रही है। बैठक में नगर परिषद् आयुक्त कमलेश मीणा तथा एनएचएआई, सार्वजनिक निर्माण विभाग, यातायात विभाग सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

भारतीय बाल अधिकार अधिवक्ता भुवन ऋभु को वर्ल्ड ज्यूरिस्ट एसोसिएशन का 'मेडल ऑफ ऑनर' सम्मान

सहयोगी संगठन ग्राम चेतना केन्द्र के साथ मिलकर दौसा जिले में बाल अधिकारों की सुरक्षा में निभा रहे प्रमुख भूमिका

राजस्थान की राजनीति

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। भारत के प्रख्यात बाल अधिकार अधिवक्ता और जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (JRC) के संस्थापक भुवन ऋभु को वर्ल्ड ज्यूरिस्ट एसोसिएशन (WJA) द्वारा 'मेडल ऑफ ऑनर' से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें डोमिनिकन रिपब्लिक में आयोजित वर्ल्ड लॉ कांग्रेस में प्रदान किया गया, जिसमें 70 से अधिक देशों से आए 1500 से अधिक विधिवेत्ता और 300 वक्ता शामिल हुए।भुवन ऋभु इस सम्मान को प्राप्त करने वाले पहले भारतीय अधिवक्ता बने हैं। WJA द्वारा दिया गया यह पुरस्कार अब तक विंस्टन चर्चिल, नेल्सन मंडेला और रूथ बेडर गिन्सबर्ग जैसी वैश्विक हस्तियों को मिल चुका है।

भुवन ऋभु का राजस्थान, विशेष रूप से दौसा जिले से गहरा संबंध रहा है, जहां वे ग्राम चेतना केन्द्र के साथ मिलकर बाल विवाह, बाल तस्करी और यौन शोषण की रोकथाम के लिए कार्य कर रहे हैं। उनकी कानूनी विशेषज्ञता और रणनीतिक मार्गदर्शन से जिले में बच्चों की सुरक्षा हेतु प्रभावशाली बदलाव देखने को मिले हैं। बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन दुनिया का सबसे बड़ा कानूनी हस्तक्षेप नेटवर्क है जिसके सहयोगी संगठन देश के 416 जिलों में जमीन पर काम कर रहे हैं।

ग्राम चेतना केन्द्र के सचिव श्री ओमप्रकाश शर्मा ने इस उपलब्धि पर कहा÷ ÷यह केवल भुवन ऋभु का नहीं, बल्कि उन हजारों जमीनी कार्यकर्ताओं का सम्मान है जो बच्चों के लिए सुरक्षित और गरिमामय भविष्य सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। यह सम्मान हमारे अभियान को नई गति देगा और हम 2030 तक दौसा जिले को बाल विवाह मुक्त जिला बनाने के अपने संकल्प को और दृढ़ता से आगे बढ़ाएंगे।÷

भुवन ऋभु द्वारा सुप्रीम कोर्ट व उच्च न्यायालयों में दायर 60 से अधिक जनहित याचिकाओं ने देश में बच्चों के अधिकारों और सुरक्षा नीतियों को एक नई दिशा दी है। उनके कानूनी हस्तक्षेपों के फलस्वरूप ट्रैफिकिंग, गुमशुदगी, बाल यौन शोषण और बाल विवाह जैसे मुद्दों पर ऐतिहासिक फैसले आए।

उनकी पुस्तक "When Children Have Children: Tipping Point to End Child Marriage" में प्रस्तावित 'पिकेट रणनीति' को सुप्रीम कोर्ट ने 2024 में बाल विवाह उन्मूलन के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में मान्यता दी है, जिस पर ग्राम चेतना केन्द्र कार्य कर रहा है। भुवन ऋभु का मानना है कि न्याय लोकतंत्र का सबसे मजबूत आधार है, और उन्होंने अपने जीवन को भारत सहित पूरी दुनिया में बच्चों और यौन हिंसा से पीड़ित महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए समर्पित कर दिया है।

दौसा जिले के सूखे कंठों को अब तर करने का समय आया नजदीक

दौसा जिले के लाइफ लाइन कहे जाने वाला ईसरदा डैम का विधायक डीसी बैरवा ने किया निरीक्षण

ईसरदा परियोजना का प्रोजेक्ट का काम लगभग 90 प्रतिशत पूरा

राजस्थान की राजनीति

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। जिले के सूखे कंठों को अब तर करने का समय नजदीक आ गया। प्रदेश की कांग्रेस की तत्कालीन गहलोत सरकार में इसरदा बांध का निर्माण कार्य शुरू हुआ अब यह प्रोजेक्ट पूरा होने जा रहा है। दौसा जिले के लाइफ लाइन कहे जाने वाला ईसरदा परियोजना का प्रोजेक्ट का काम लगभग 90 ब्रपूरा हो चुका है। जिसका दौसा विधायक डीसी बैरवा ईसरदा डेम पर पहुंच कर कार्य का निरीक्षण किया। विधायक बैरवा ने एक्सईएन विकास गर्ग ,एईएन अमित कुमार दुबे, सुरेश कुमार बैरवा ,जेईएन गुलाब सिंह गुर्जर सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

इस अवसर पर दौसा विधायक दीनदयाल बेरवा ने कहा कि ईसरदा डैम का निरीक्षण किया गया जिसका 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है और इस सीजन की बरसात में यह डेम पूरा भर जाएगा और उसके बाद आने वाले समय में इससे पानी की सप्लाई दौसा जिले और सवाई माधोपुर जिले को की जाएगी। यह ईसरदा बांध दौसा जिले की लाइफ लाइन है। विधायक बैरवा ने कहा कि अशोक गहलोत की सरकार में 2012 इस प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी थी। जलदाय मंत्री के द्वारा दौसा कलेक्ट्रेट में ली गई बैठक को लेकर पूछे गए सवाल पर दौसा विधायक ने कहा कि मंत्री जी ने दौसा में यह वादा किया था कि वह इस साल जनता को पानी पिला देंगे और हमने भी आकर देखा है कि डैम का कार्य 90 ब्र हो चुका है और इस बार डेम भर जाएगा और अगली फिर इसके बाद पानी की सप्लाई होगी। इस अवसर पर विभाग के कई अधिकारी भी हमारे साथ इस डेम के कार्य का निरीक्षण किया। विधायक बैरवा ने कहा कि सांसद मुरारी लाल मीणा जी के अथक प्रयासों से ईसरदा डेम अपनी पूर्णता की और अग्रसर है और जल्द ही इससे पानी मिलेगा। विधायक ने कहा कि 2013 से लेकर 2018 तक भाजपा की सरकार थी जिसमें डेम का काम बहुत ही धीमी गति से चला जिसके चलते यह प्रोजेक्ट बहुत लेट हो चुका है। नहीं तो दौसा की जनता को बहुत पहले ही ईसरदा से पानी मिल जाता। आपको बताना चाहता हूं कि बीजेपी वाले काम करना नहीं चाहते यह तो लास्ट समय अशोक गहलोत इस डेम के लिए ?6000 करोड रुपए के करीब स्वीकृत प्रदान कर इसको बनाने का काम किया है। इससे इस दिन से 56 गांव और 7 शहरों को पानी मिलेगा। बीजेपी वाले इस का श्रेय लेना चाहते हैं जबकि 90ब्र कार्य कांग्रेस की गवर्नमेंट के पैसों की वजह से पूर्ण हो चुका है। मैं धन्यवाद देना चाहता हूं जलदाय मंत्री को उन्होंने अंतिम समय में इस और ध्यान दिया जिससे जनता का भला हो सका और पानी के लिए दौसा की लाइफ लाइन कही जाती है ईसरदा योजना जल्द पूरा होगी।

जिला परिषद साधारण सभा की बैठक 14 मई को

राजस्थान की राजनीति

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। जिला परिषद की साधारण सभा की बैठक 14 मई, बुधवार को प्रातः 11.30 बजे जिला प्रमुख हीरालाल सैनी की अध्यक्षता में जिला परिषद सभा भवन में आयोजित की जाएगी। यह जानकारी जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नरेंद्र कुमार मीणा ने दी।

शिकायतों के निस्तारण के लिए राजस्थान मदरसा बोर्ड चला रहा हेल्पलाइन , 9460881254 डॉयल कर सचिव, मदरसा बोर्ड से कर सकते है संपर्क

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। राजस्थान मदरसा बोर्ड के सचिव चेतन चौहान ने बताया कि राजस्थान मदरसा बोर्ड, जयपुर द्वारा पंजीकृत समस्त मदरसों में शिकायतों के निस्तारण हेतु ÷राजस्थान मदरसा बोर्ड आपके द्वार÷ नाम से हेल्पलाइन प्रारंभ की गई है। यह हेल्पलाइन गत 17 अप्रैल से संपूर्ण प्रदेश में चालू है। उन्होंने बताया कि इस हेल्पलाइन का नंबर 9460881254 है और यह नंबर स्वयं उनका मोबाइल नंबर हैं। वे स्वयं उक्त शिकायतों को सुनेंगे तथा सम्बंधित कार्मिको को इसके निस्तारण हेतु प्रेषित करेंगे। चेतन चौहान ने बताया कि शिकायतों के निस्तारण हेतु उक्त हेल्पलाइन पर 24×7 एसएमएस एवं व्हाट्सएप के माध्यम से तथा rajmadarsaboard@gmail.com पर ईमेल कर संपर्क किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही पंजीकृत मदरसों में शिक्षा की गुणवत्ता के आंकलन हेतु क्यूआर कोड के माध्यम से फीडबैक की सुविधा भी शुरू की गई है।

स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना होगा

रमेश सर्राफ धमोरा

देश के ग्रामीण अंचल में जब तक सही व समुचित स्वास्थ्य सेवाऐं उपलब्ध नहीं हो पायेगी तब तक भारत में सबको स्वास्थ्य की योजना पूरी नहीं हागी। आज देश के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधा की स्थिति बड़ी भयावह है। आये दिन समाचार पढ? को मिलते हैं कि एम्बुलेन्स के अभाव में मृतक को साईकिल पर बांधकर घर तक लाना पड़ता है। गांवो में स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में लोगों को तांत्रिको के चक्कर लगाते देखा जा सकता है। निजी चिकित्सक भी कमाई के चक्कर में शहरों में ही काम करना पसन्द करते हैं। जब तक गांवो की तरफ ध्यान नहीं दिया जायेगा तब तक भारत में सबको स्वास्थ्य का सपना पूरा नहीं हो पायेगा।

आज दुनिया भर में मनुष्य के स्वास्थ्य को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी दुनिया के देशों को समय-समय पर चेतावनी देता रहता है। कुछ वर्ष पूर्व आई कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया को हिला कर रख दिया था। मगर वैज्ञानिकों की तत्परता से वैक्सीन निर्माण होने के चलते वह नियंत्रण में आ गई थी। मगर भविष्य में भी ऐसी कोई गारंटी नहीं है कि कोरोना जैसी महामारी फिर नहीं आए। कभी भी कोई नई महामारी आ सकती है। इसलिए हमें हमारे खानपान, रहन-सहन व वातावरण में सावधानी बरतनी चाहिए ताकि हम बेवजह की बीमारियों से बच सके।

स्वास्थ्य हमारे जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। इंसान जब तक स्वस्थ रहता है तब तक उसमें कार्य करने की क्षमता बनी रहती है। जब वह अस्वस्थ होने लगता है तो उसके कार्य करने की क्षमता भी कमजोर पड़ने लगती है। इसीलिए हमारे बुजुर्ग कहा करते थे कि पहला सुख निरोगी काया। यानी शरीर स्वस्थ रहने पर ही सबसे पहला सुख मिलता है। आज के दौर में खानपान में लापरवाही के चलते अधिकतर व्यक्ति किसी ने किसी बीमारी से ग्रसित रहने लगे हैं। इससे उनके कार्य क्षमता में भी कमी आई है। मनुष्य के अस्वस्थ होने पर उसके उपचार पर पैसे खर्च होते हैं जिससे उसकी आर्थिक स्थिति कमजोर होने लगती है। इसके साथ ही बीमार व्यक्ति का पूरा परिवार भी उसकी बीमारी के चलते तनाव में रहने लगता है। भागम-भाग के दौर वाली आज की जिंदगी में जो व्यक्ति अपना स्वास्थ्य सही रख पाता है। वह कम कमा कर भी सबसे अधिक सुखी रह सकता है। इसलिए हमें सबसे अधिक अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहिए।

स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने के लिए प्रति वर्ष 7 अप्रैल को पूरी दुनिया में विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने के पीछे विश्व स्वास्थ्य संगठन का मकसद दुनियाभर में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। साथ ही साथ सरकारों को स्वास्थ्य नीतियों के निर्माण के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित करना। वर्तमान में इस संगठन के बैनर तले 195 से अधिक देश अपने-अपने देश के नागरिकों को रोगमुक्त बनाने के लिए प्रयासरत है। विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाने की शुरूआत 1950 से हुई। वैश्विक आधार पर स्वास्थ्य से जुड़े सभी मुद्दे को विश्व स्वास्थ्य दिवस लक्ष्य बनाता है। जिसके लिये कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्वारा अंतरर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रकार के खास विषय पर आधारित कार्यक्रम इसमें आयोजित होते हैं। पूरे साल भर के स्वास्थ्य

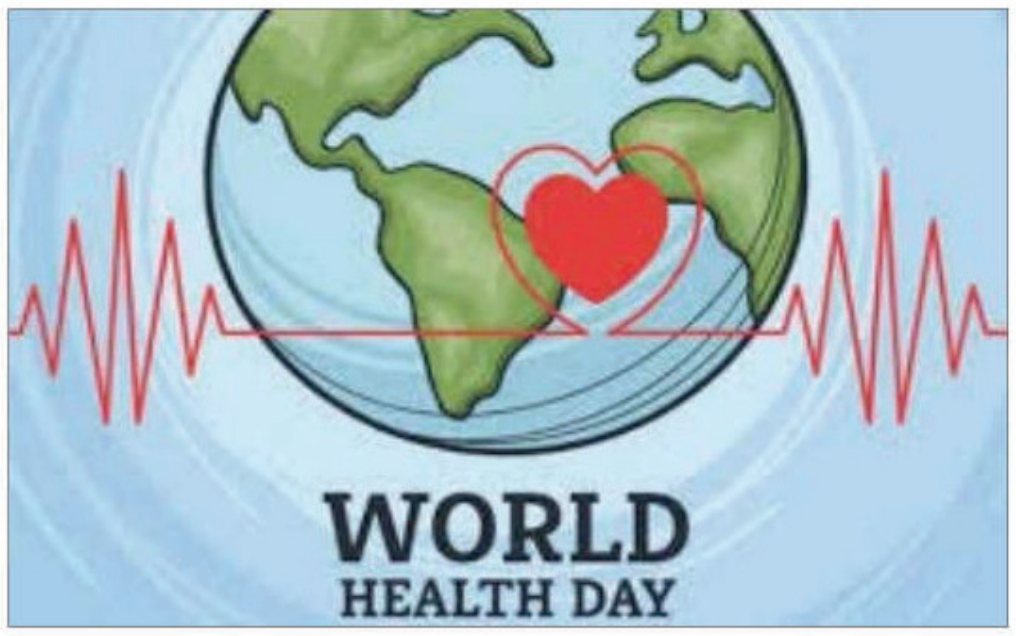

का ध्यान रखने के लिये और उत्सव को चलाने के लिये एक खास विषय का चुनाव किया जाता है। वर्ष 2025 में विश्व स्वास्थ्य दिवस का विषय है स्वस्थ शुरूआत, आशावादी भविष्य। यह विषय माताओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य और जीवन को बढ़ाने पर केंद्रित है। जिसका लक्ष्य परिहार्य मातृ और शिशु मृत्यु के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि आधे भारतीयों की आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच ही नहीं है। जबकि स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने वाले लोग अपनी आय का 10 फीसदी से ज्यादा इलाज पर ही खर्च कर रहे हैं।

वैश्विक साइबर सुरक्षा सूचकांक (जीसीआई) 2024 में भारत का स्कोर 98.49/100 रहा है। यह स्कोर अमेरिका, जापान, और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ भारत को टियर 1 में रखता है। वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा सूचकांक 2024 के अनुसार भारत 42.8 के समग्र सूचकांक स्कोर के साथ 195 देशों में से 66वें स्थान पर है और 2019 से -0.8 का परिवर्तन है। 2021 में दुनिया भर के देशों की स्वास्थ्य प्रणालियों की रैंकिंग के अनुसार, स्वास्थ्य सूचकांक स्कोर के आधार पर भारत 167 देशों में से 111वें स्थान पर था। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार तीन साल की अवस्था वाले 3.88 प्रतिशत बच्चों का विकास अपनी उम्र के हिसाब से नहीं हो सकी है और 46 प्रतिशत बच्चे अपनी अवस्था की तुलना में कम वजन के हैं, जबकि 79.2 प्रतिशत बच्चे एनीमिया से पीड़ित हैं। गर्भवती महिलाओं में एनीमिया 50 से 58 प्रतिशत बढ़ा है। कहा जाता है कि जिस देश कि चिकित्सा सुविधाएं बेहतर होगी उस देश के लोगों कि औसत आयु उतनी ही अधिक होगी। भारतवासियों को यह जानकर हैरानी होगी कि औसत आयु के मामले में बांग्लादेश भारत से आगे है। भारत में औसत आयु जहां 64.6 वर्ष मानी गई है, वहीं बांग्लादेश में यह 66.9 वर्ष है। इसके अलावा भारत में कम वजन वाले बच्चों का अनुपात 43.5 प्रतिशत है और प्रजनन क्षमता की दर 2.7 प्रतिशत है, जबकि पांच वर्षों से कम अवस्था वाले बच्चों की मृत्यु दर 66 है और शिशु मृत्यु दर जन्म लेने वाले प्रति हजार बच्चों में 41 है जबकि 66 प्रतिशत बच्चों को डीपीटी का टीका देना पड़ता है।

भारतीय स्वास्थ्य रिपोर्ट के मुताबिक सार्वजनिक स्वास्थ्य की सेवाएं अभी भी पूरी तरह से मु त नहीं है और जो है उनकी हालत अच्छी नहीं है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रशिक्षित लोगों की काफी कमी है। भारत में डॉक्टर और आबादी का अनुपात भी संतोषजनक नहीं है। हमारे देश में 1000 लोगों पर एक डॉक्टर भी उपलब्ध नहीं है। अस्पतालों में बिस्तर की उपलब्धता भी काफी कम है और केवल 28 प्रतिशत लोग ही बेहतर साफ-सफाई का ध्यान रखते हैं। पिछले कुछ सालों में हमारे देश में कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों का प्रभाव बढ़ा है। साथ ही मधुमेह, हृदय रोग, क्षय रोग, मोटापा, तनाव की चपेट में भी लोग बड़ी संख्या में आ रहे हैं। महिलाओं में स्तन कैंसर, गर्भाशय कैंसर का खतरा बढ़ा है। ये बीमारियां बड़ी तादाद में उनकी मौत का कारण बन रही हैं। ग्रामीण तबके में देश की अधिकतर आबादी उचित खानपान के अभाव में कुपोषण की शिकार हो रही है। महिलाओं, बच्चों में कुपोषण का स्तर अधिक देखा गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार प्रति 10 में से सात बच्चे एनीमिया से पीड़ित हैं। वहीं महिलाओं की 36 प्रतिशत आबादी कुपोषण की शिकार है।

भारत में इलाज पर अपनी जेब से खर्च करने वाले पीड़ित लोगों की संख्या ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी की संयुक्त आबादी से भी अधिक है। भारत की तुलना में इलाज पर अपनी आय का 10 फीसदी से अधिक खर्च करने वाले लोगों का देश की कुल जनसंख्या में प्रतिशत श्रीलंका में 2.9 फीसदी, ब्रिटेन में 1.6 फीसदी, अमेरिका में 4.8 फीसदी और चीन में 17.7 फीसदी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार अभी भी बहुत से लोग ऐसी बीमारियों से मर रहे है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट में बताया गया कि देश की आबादी का 3.9 फीसदी यानी 5.1 करोड़ भारतीय अपने घरेलू बजटा का एक चौथाई से ज्यादा खर्च इलाज पर ही कर देते हैं। जबकि श्रीलंका में ऐसी आबादी महज 0.1 फीसदी है, ब्रिटेन में 0.5 फीसदी, अमेरिका में 0.8 फीसदी और चीन में 4.8 फीसदी हैं। इलाज पर अपनी आय का 10 फीसदी से ज्यादा खर्च करने वाली आबादी का वैश्विक औसत 11.7 फीसदी है। इनमें 2.6 फीसदी लोग अपनी आय का 25 फीसदी से ज्यादा हिस्सा इलाज पर खर्च करते हैं और दुनिया के करीब 1.4 फीसदी लोग इलाज पर खर्च करने के कारण ही अत्यंत गरीबी का शिकार हो जाते हैं। देश के ग्रामीण अंचल में जब तक सही व समुचित स्वास्थ्य सेवाऐं उपलब्ध नहीं हो पायेगी तब तक भारत में सबको स्वास्थ्य की योजना पूरी नहीं हागी। आज देश के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधा की स्थिति बड़ी भयावह है। आये दिन समाचार पढ? को मिलते हैं कि एम्बुलेन्स के अभाव में मृतक को साईकिल पर बांधकर घर तक लाना पड़ता है। गांवो में स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में लोगों को तांत्रिको के चक्कर लगाते देखा जा सकता है। निजी चिकित्सक भी कमाई के चक्कर में शहरों में ही काम करना पसन्द करते हैं। जब तक गांवो की तरफ ध्यान नहीं दिया जायेगा तब तक भारत में सबको स्वास्थ्य का सपना पूरा नहीं हो पायेगा। (लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

संपादकीय

बगलिहार के बहाने

पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ किए गए सिंधु जल समझौते को न केवल स्थिगित कर दिया है, बल्कि भारत ने जम्मू रामबन में चिनाब नदी पर बने बगलिहार बांध के सभी फाटक बंद कर दिए। सूत्रों के अनुसार भारत सरकार अब इसी तर्ज पर उत्तरी कश्मीर में झेलम नदी पर बने किशनगंगा बांध के फाटक बंद करने की भी योजना बना रहा है। बगलिहार और किशनगंगा दोनों ही बांध हाइड्रो इलेक्ट्रिक हैं, जिनसे पानी छोड़ने का वक्त तय किया जा सकता है। पहलगाम के आतंकवादी हमले में छब्बीस पर्यटकों की हत्या किए जाने के बाद से पूरा देश आक्रोश में है। विश्व बैंक की मध्यस्थता के बाद 1960 में सिंधु जल संधि से अन्य सहायक नदियों के पानी के उपयोग पर नियंत्रण किया गया था। हालांकि पाकिस्तानी हुक्मरान पहले ही ऐलान कर चुके हैं कि

उनके यहां जाने वाली जल धारा को रोका या उसकी दिशा बदली गई तो वे इसे जंग मानेंगे। देश की जनता में इस हमले को लेकर जो गुस्सा है, सरकार उसे भुनाना चाहती है। वे युद्ध की धमकी देकर इस आवेश को लंबे समय तक जारी रखने को राजी लग रहा हैं। दरअसल, भीतर की बात इतनी है कि बगलिहार पॉवर प्रोजेक्ट के फाटकों को बंद करके नदी की गाद निकालने का काम किया जा रहा है, जिसके चलते पड़ोसी मुल्क को कम पानी मिल पा रहा है। यह काम प्रतिवर्ष होता है। आमतौर पर उत्तर भारत में मानसून से पूर्व सभी नदियों में यह प्रक्रिया होती है। किशनगंगा बांध को लेकर पाक आपत्ति जताता रहा है और इसकी जांच की मांग भी करता है। उसे यह खौफ पहले भी रहा है कि भारत जब मर्जी इस जल के प्रवाह को रोक सकता है या तेज भी कर सकता है, जबकि भारत सरकार द्वारा इस भय को दूर करने के प्रति कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया। हालांकि पूर्वी नदियों के जल का भारत हमेशा भरपूर उपयोग करता है। बिजली बनाने से लेकर कृषि उत्पादन व पेय जल के तौर पर इनका उपयोग होता है। सरकार की पूर्व योजनाओं को माने तो आने वाले सालों में वह विभिन्न हाइड्रो पॉवर प्रोजेक्ट पर काम करने की तैयारी में है, जिनमें चिनाब व अन्य सहायक नदियां भी शामिल हैं। हो न हो, उन्हें लेकर भी पाकिस्तना हो-हल्ला मचाने का प्रयास कर सकता है और इसे सिंधु जल समझौते का उल्लंघन ठहरा सकता है। मगर अब जब सरकार ने इस समझौते को खत्म करने का ऐलान कर दिया है, उसके पास विधवा पल्राप के अतिरिक्त कोई चारा ही नहीं रहा।

चिंतन-मनन

भय को निकालें

जब क्रियता का संवेदन होता है तो अक्रियता का संवेदन भी होगा। हमारे सारे तनाव इस परिधि में हो रहे हैं। क्रियता का संवेदन हो, क्रिय मिले, क्रिय को वियोग न हो और अप्रियता का योग न हो। बस, सारी तनाव की यह सीमा है। इसी सीमा में सारे तनाव प्रकट हो रहे हैं। पर मूल में जो छिपा हुआ कारण कार्य कर रहा है, वह मात्र एक ही है- प्रियता का संवेदन, अप्रियता का संवेदन। अब यह संवेदन है तो भय भी पैदा होगा। एक छोटी सी कहनी है। एक आदमी बहुत डरता था। वह समझदार आदमी के पास गया जो मंत्र को जानता था। उसके पास जाकर बोला, मुझे डर बहुत लगता है। उसने ताबीज बना दिया और कहा, इसको बांध लो। तुम्हारा डर समाप्त हो जाएगा। ताबीज बांध लिया। डर लगना कम हो गया। पर मंत्र जानने वाला व्यक्ति कुछ दिन बाद ही आया और पूछा- भाई! अब डर तो नहीं लगता? उसने कहा, जो काल्पनिक था, वह तो नहीं लगता किन्तु एक डर और पैदा हो गया। निरन्तर मन में भय बना रहता है कि कहीं ताबीज गुम न हो जाए। एक भय तो समाप्त हुआ, दूसरा भय और आ गया।

जब यह दृष्टि मूल में बनी रहती है कि प्रिय का वियोग न हो जाए, अप्रिय का योग न हो जाए, तब भय अनिवार्य है। उस मूल कारण से तनाव पैदा होता है। जब प्रिय संवेदन की भावना है, उसका तनाव भी पैदा होता है। हमारे जीवन के संचालन के केन्द्र में जो तत्व है, वह है लोभ। मनोविज्ञान के अनुसार हर व्यक्ति में कुछ मौलिक मनोवृत्तियां होती हैं। जीने की इच्छा भी इसी में एक है।

भारत की सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक हैं टैगोर

योगेश कुमार गोयल

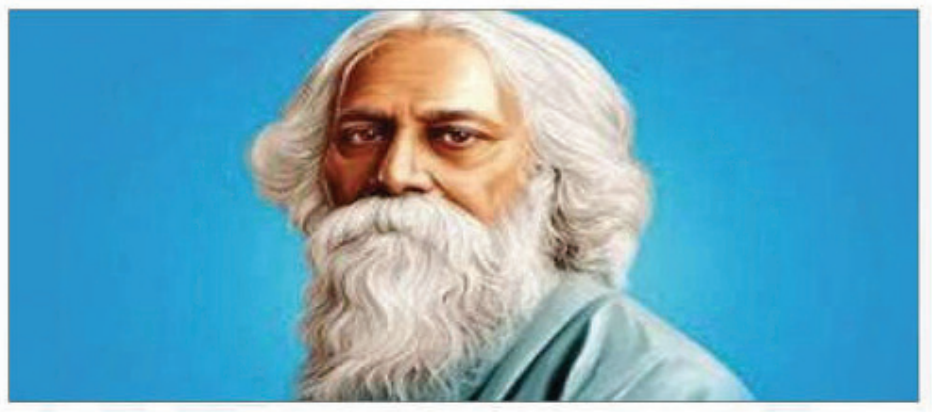

कोलकाता में साहित्यिक माहौल वाले कुलीन धनाढ्य परिवार में 7 मई 1861 को जन्मे रवीन्द्रनाथ टैगोर एक कवि, उच्च कोटि के साहित्यकार, उपन्यासकार और नाटककार के अलावा संगीतप्रेमी, अच्छे चित्रकार तथा दार्शनिक भी थे। टैगोर एशिया के प्रथम ऐसे व्यक्ति थे, जिन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्हें वर्ष 1913 में विश्वविख्यात महाकाव्य 'गीतांजली' की रचना के लिए साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया था। हालांकि उन्होंने यह पुरस्कार स्वयं समारोह में उपस्थित होकर ग्रहण नहीं किया था बल्कि ब्रिटेन के एक राजदूत ने यह पुरस्कार लेकर उन तक पहुंचाया था। नोबेल पुरस्कार में मिले करीब एक लाख आठ हजार रुपये की राशि टैगोर ने किसानों की बेहतरी के लिए कृषि बैंक तथा सहकारी समिति की स्थापना और भूमिहीन किसानों के बच्चों की शिक्षा के लिए स्कूल बनाने में इस्तेमाल की। टैगोर की महान रचना 'गीतांजली' का प्रकाशन वर्ष 1910 में हुआ था, जो उनकी 157 कविताओं का संग्रह है। इसी काव्य संग्रह को बाद में दुनिया की कई भाषाओं में प्रकाशित किया गया। मार्च 1913 में लंदन की मैकमिलन एंड कंपनी ने इसे प्रकाशित किया और 13 नवम्बर 1913 को नोबेल पुरस्कार की घोषणा से पहले इसके दस संस्करण छापे गए।

टैगोर की कुछ कविताएं तो बांग्लादेश के स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा भी हैं। जहां तक भारत के राष्ट्रीय गीत 'जन गण मन' की बात है कि इसे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन के दूसरे दिन का काम शुरू होने से पहले 27 दिसम्बर 1911 को पहली बार गाया गया था। हालांकि उस दौरान इस बात को लेकर भी कुछ विवाद चला कि कहीं उन्होंने यह गीत अंग्रेजों की प्रशंसा में तो नहीं लिखा लेकिन इसके रचयिता टैगोर ने स्पष्ट करते हुए कहा था कि इस गीत में वर्णित 'भारत भाग्य विधाता' के केवल दो ही अर्थ हो सकते हैं, देश की जनता या फिर सर्वशक्तिमान ऊपर वाला, फिर चाहे उसे भगवान कहें या देव। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा रवीन्द्र नाथ टैगोर राष्ट्रीयता, देशभक्ति, तर्कशक्ति इत्यादि विभिन्न मुद्दों पर अलग-अलग राय रखते थे लेकिन दोनों एक-दूसरे का बहुत सम्मान भी किया करते थे। साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार मिलने के बाद टैगोर को गांधीजी ने ही सर्वप्रथम 'गुरूदेव' कहा था जबकि गांधीजी को महात्मा की उपाधि टैगोर ने दी थी। उन्होंने 12 अप्रैल 1919 को गांधीजी को ह्यमहात्मा का सम्बोधन करते हुए एक पत्र लिखा था, उसके बाद ही गांधीजी को महात्मा कहा जाने लगा।

मात्र आठ वर्ष की आयु में रवीन्द्रनाथ टैगोर ने अपनी पहली कविता लिखी थी और 16 वर्ष की आयु में कहानियां तथा नाटक लिखना शुरू कर दिया था। बैरिस्टर बनने के सपने के साथ वह 1878 में इंग्लैंड चले गए थे लेकिन दो ही वर्ष बाद डिग्री लिए बिना ही भारत लौट आए। 1901 में सियालदह छोड़कर पि म बंगाल के ग्रामीण क्षेत्र में स्थित शांतिनिकेतन में आने के बाद रवीन्द्रनाथ टैगोर ने वहां प्रकृति की गोद में खुले प्राकृतिक वातावरण में वृक्षों, बगीचों और एक लाइब्रेरी के साथ केवल पांच छात्रों के साथ छोटे से 'शांतिनिकेतन स्कूल' की स्थापना की, जो 1921 में 'विश्वभारती' नाम से एक समृद्ध विश्वविद्यालय बना।। 1919 में उन्होंने शांतिनिकेतन कला के एक स्कूल 'कला भवन' की भी नींव रखी, जो दो साल बाद विश्वभारती विश्वविद्यालय का हिस्सा बन गया। शांतिनिकेतन में ही गुरूदेव ने अपनी कई साहित्यिक कृतियां लिखी और यहां मौजूद उनका घर आज भी ऐतिहासिक महत्व का है। उनका ज्यादातर साहित्य काव्यमय रहा और अनेक रचनाएं गीतों के रूप में प्रसिद्ध हैं। 1880 के दशक में उन्होंने कविताओं की कई पुस्तकें प्रकाशित की और 1890 में ह्यमानसी की रचना की।

कविता, गान, उपन्यास, कथा, नाटक, प्रबंध, शिल्पकला इत्यादि साहित्य की शायद ही ऐसी कोई विधा है, जिसमें उनकी रचना न हो। उनकी प्रमुख रचनाओं में गीतांजली, गीताली, गीतिमाल्य, कथा ओ कहानी, शिशु, शिशु भोलानाथ, कणिका, क्षणिका, खेया हैमांति, क्षुदिता, मुसलमानिर गोल्पो आदि प्रमुख हैं। उन्होंने कई किताबों का अनुवाद अंग्रेजी में किया, जिसके बाद उनकी रचनाएं पूरी दुनिया में पढ़ी और सराही गई। उपन्यास में गोरा, चतुरंगा, नौकादुबी, जोगजोग, घारे बायर, मुन्ने की वापसी, अंतिम प्यार, अनाथ इत्यादि गुरूदेव के कुछ प्रमुख उपन्यास हैं। इनके अलावा काबुलीवाला, मास्टर साहब, पोस्टमास्टर इत्यादि उनकी कई कहानियों को भी बेहद पसंद किया गया। अपने जीवनकाल में गुरूदेव ने करीब 2230 गीतों की रचना की और बांग्ला साहित्य के जरिये भारतीय सांस्कृतिक चेतना में नई जान डाली। अपनी अधिकांश रचनाओं में उन्होंने इंसान और भगवान के बीच के संबंधों तथा भावनाओं को उजागर किया। सही मायनों में गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर मानवता के मुखर पैरोकार थे। उन्होंने अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, चीन सहित दर्जनों देशों की यात्राएं की। स्वामी विवेकानंद के बाद वे दूसरे ऐसे भारतीय थे, जिन्होंने विश्व धर्म संसद को दो बार सम्बोधित किया। बहुआयामी प्रतिभा के धनी गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने प्रोस्टेट कैंसर के कारण 7 अगस्त 1941 को कोलकाता में अंतिम सांस ली।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

एआई : तकनीक के साथ संवेदना भी जरूरी

अमर पाल सिंह वर्मा

तकनीक के इस करिश्माई दौर में जहां एक ओर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) दुनिया को अधिक तेज, कुशल और उत्पादक बना रहा है, वहीं करोड़ों असंगठित मजदूरों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो रहा है। संकट भी ऐसा है जिसकी न तो ज्यादा चर्चा हो रही है और न ही विरोध। एआई पूरी दुनिया में काम के मायने बदल रहा है। भारत जैसा किसान और मजदूर बहुल देश भी इससे अछूता नहीं है। बड़ा सवाल है कि काम के बदलते स्वरूप के इस दौर में कामगारों-मजदूरों का भविष्य क्या होगा?

एआई ऐसी मशीनों का नाम है जो सोच-समझ सकती हैं, फैसले ले सकती हैं और इंसानों की तरह काम कर सकती हैं। वर्तमान में एआई बैंक से लेकर अस्पताल, स्कूल से लेकर कारखानों तक हर जगह दस्तक दे चुका है। एआई से हमारे देश में विभिन्न क्षेत्रों को नया स्वरूप मिल रहा है, दक्षता बढ़ रही है, विभिन्न सेवाओं में सुधार हो रहा है। यकीनन, इससे एक ओर उत्पादकता बढ़ी है, लेकिन दूसरी ओर करोड़ों मजदूरों के लिए रोजगार का संकट गहरा हुआ है। खासकर, असंगठित क्षेत्र के मेहनतकश की आजीविका पर ज्यादा खतरा है। भारत में लगभग 90 फीसद श्रमिक असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं। आर्थिक सर्वेक्षण 2021-22 से पता चलता है कि वर्ष 2019-20 के दौरान देश में असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले लोगों की कुल संख्या लगभग 43.99 करोड़ थी। इनके पास न स्थायी नौकरी है और न ही सामाजिक सुरक्षा। इनमें खेतिहर मजदूर, निर्माण श्रमिक, घरों में काम करने वाले लोग, फैक्टरियों के कर्मचारी, रेहड़ी-पटरी वाले, रिक्शा, ऑटो रिक्शा चालक शामिल हैं। इनमें हाल के वर्षों में गिग इकॉनमी से जुड़े डिलीवरी बॉय भी शामिल हो गए हैं, जो हर तरह का सामान डिलीवर करने हमारे घरों तक आते हैं। ये लोग देश की आर्थिक रीढ़ हैं, लेकिन तकनीकी बदलावों की सबसे बड़ी मार इन्हीं पर पड़ रही है। पारंपरिक रूप से श्रम प्रधान रहे हमारे देश में आज भी कपड़ा, ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे उद्योगों में बड़ी तादाद मैन्युअली काम करने वाले कम कुशल और अर्ध कुशल श्रमिकों की है। इनका क्या होगा? एआई जितनी तेजी से हमारे जीवन में घुसा है, उतनी ही तेजी से इसने खून-पसीना बहा कर रोजी-रोटी कमाने वाले मजदूरों की जमीन खिसकाई है। खास तौर पर ऐसे श्रमिक, जिनके पास न तो तकनीकी योग्यता है, न ही उन्हें स्थायी रोजगार हासिल है। खेतों, कारखानों, कार्यालयों, मीडिया हाउसों में एआई का बोलबाला होने लगा है। पढ़ाने, पेंटिंग बनाने, अपराधियों को तलाशने, बीमारियों का पता लगाने जैसे न जाने कितने ही काम अब मशीनों के जरिए ही हो रहे हैं। अब तो सामान की डिलीवरी मशीनें कर रही हैं और कार ड्राइविंग के लिए इंसान की जरूरत नहीं रही है। एआई और इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते इस्तेमाल से ड्राइवरों के रोजगार पर पड़ने वाले असर के बारे में हाल में सुप्रीम कोर्ट ने भी गंभीर चिंता जताई है। इस मामले में दायर जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि मेरी चिंता यह है कि एआई ड्राइवरों के रोजगार को खत्म न कर दे। भारत में ड्राइवरी एक बड़ा रोजगार का स्रोत है। हर क्षेत्र में एआई की घुसपैठ हो रही है। जिस र तार से यह सब बदलाव हो रहा है, उसे देखते हुए आने वाले समय में कार्यस्थलों पर इंसानों की मौजूदगी कितनी घट जाएगी, यह अंदाजा लगा पाना मुश्किल नहीं है। हम देख सकते हैं कि एआई अब उन कामों को भी करने लगा है जिनके लिए इंसान परिहार्य थे। खेतों में एआई से कंट्रोल ड्रोन से कीटनाशक छिड़काव, सिंचाई एवं एआई आधारित फसल निगरानी का काम हो रहा है। इससे खेत मजदूरों की भूमिका सीमित होती जा रही है। उधर, निर्माण कार्यों में स्वचालित मशीनों से ईंटें लगाई जा रही हैं।

वर्ल्ड. इकोनॉमिक फोरम की ओर से हाल में जारी यूचर ऑफ जॉब्स रिपोर्ट 2025 के मुताबिक वर्ष 2030 तक दुनिया में 17 करोड़ लोगों को नई नौकरियां मिलेंगी पर इसके साथ ही करीब 9.2 करोड़ लोगों की नौकरियां खत्म भी हो जाएंगी। रिपोर्ट के अनुसार पुराने कौशल की मांग धीरे-धीरे कम होती जाएगी और तकनीकी कौशल सीखना अनिवार्यहो जाएगा। यानी

भविष्य में उन्हीं लोगों के लिए नौकरी के अवसर सुरक्षित होंगे, जो नई तकनीकों को अपनाएंगे और खुद को लगातार अपडेट रखेंगे। एआई मौजूदा समय की एक ताकत है। अगर यह सही दिशा में चले तो यह मजदूरों की जिंदगी आसान बना सकती है लेकिन अफसोस है कि आज यह ताकत मजदूरों को हटाकर काम करने की तरफ बढ़ रही है। इससे न केवल रोजगार घट रहा है बल्कि सामाजिक असमानता भी बढ़ने का अंदेशा है। सरकार, एआई कंपनियों और समाज को मिलकर ऐसे समाधान निकालने होंगे जिनके जरिए तकनीकी बदलावों के बीच गरीब मजदूरों की सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा को सुनि त करना संभव हो सके। एआई को ट्रेंड करके ऐसा बनाया जा सकता है जो मजदूरों की मदद करे, उन्हें सुरक्षा दे, उनका कौशल बढ़ाए और उनके कार्य में सहायक बने। हमें तकनीक के साथ इंसानियत की बात भी करनी चाहिए।

संदीप कोठारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से की मुलाकात

बीएमसीएचआरसी के है उपाध्यक्ष, अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ लोरेंको से भी हुई वैश्विक स्वास्थ्य पर चर्चा

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, जयपुर के उपाध्यक्ष संदीप कोठारी ने हाल ही में नई दिल्ली में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ मैनुअल गोन्काल्वेस लोरेंको से भेंट की। इस महत्वपूर्ण मुलाकात में वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों, विशेष रूप से कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों और मेडिकल टूरिज्म को लेकर व्यापक चर्चा हुई।

संदीप कोठारी ने इस भेंट को संस्थान के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि इस बातचीत से अंतरराष्ट्रीय सहयोग की नई संभावनाएं खुली हैं, जो भविष्य में गुणवत्तापूर्ण ऑन्कोलॉजी सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने में सहायक होंगी।

भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर का निरंतर प्रयास रहा है कि कैंसर के खिलाफ लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभाई जाए और अत्याधुनिक उपचार व अनुसंधान के माध्यम से मरीजों को विश्वस्तरीय सेवाएं प्रदान की जाएं।

जयपुर में 7 मई को होगी सिविल डिफेंस मॉकड्रिल

एबीवीपी ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, कहा- हर तरह का सहयोग करेंगे

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। जयपुर में 7 मई को सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा। यह ड्रिल भारत सरकार के गृह मंत्रालय के निर्देश पर होगी। इसमें अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) की सक्रिय भागीदारी रहेगी। ABVP जयपुर महानगर ने इस संबंध में जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। यह मॉक ड्रिल पहलगाम, कश्मीर में हुए हालिया आतंकी हमले के मद्देनजर आयोजित की जा रही है। इसका मुख्य उद्देश्य युद्ध जैसी परिस्थितियों से निपटने की तैयारी करना है। जयपुर महानगर मंत्री सुशील शर्मा के अनुसार, इस तरह की गतिविधियां दो तरह से महत्वपूर्ण हैं। पहला, इससे नागरिकों में आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ती है। दूसरा, युवाओं को राष्ट्रीय संकट के समय तत्पर रहने का अभ्यास मिलता है। ABVP ने मॉक ड्रिल के दौरान हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया है।

सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेजः सरकार आठ माह से नहीं कर रही स्थायी अधीक्षकों की नियुक्ति, एसएमएस अधीक्षक डॉ. भाटी ने मांगा वीआरएस

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। सरकारी अस्पतालों के पदों से डॉक्टर्स का मोह भंग होता जा रहा है। अस्पतालों के अधीक्षक के लिए आवेदन नहीं करने वाले डॉक्टर्स में जहां कमी आई है, वहीं अब एसएमएस के कार्यवाहक अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी ने नौकरी छोड़ने का मन बना लिया है। उन्होंने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर वीआरएस मांगा है। उन्होंने लिखा है कि अब पद पर नहीं रहना चाहता। बता दें कि अप्रैल माह में एसएसबी अधीक्षक डॉ. विनय मल्होत्रा भी कह चुके हैं कि अब पद पर नहीं रहना चाहता। अन्य अस्पतालों के डॉक्टर्स भी अधीक्षक पद पर नहीं रहना चाहते और सरकार से लेकर सचिवालय के अधिकारियों तक को पद छोड़ने के लिए कह चुके हैं। इधर, सरकार पिछले आठ महीने में आठ स्थायी अधीक्षक नहीं बना पा रही है।

हालही में एसएमएस के सर्जरी विभाग में छत से मलबा गिरने के मामले में चिकित्सा शिक्षा विभाग के आला अधिकारी की ओर से एसएमएस अधीक्षक सहित अन्य डॉक्टर्स से काफी तल्खी से बात की गई थी। डॉक्टर्स ने यह बताया कि पूरे मामले में पीडब्ल्यूडी अधिकारियों की खामी है, लेकिन उनकी नहीं सुनी गई और डॉक्टर्स पर भी कार्रवाई कर दी गई। इससे पहले पार्किंग मामले में और कैंटीन को बंद कर देने के मामले में भी डॉक्टर्स को सुनना पड़ा था। डॉक्टर्स का कहना है कि अधिकारियों और छोटे जनप्रतिनिधियों द्वारा जिस तरह का व्यवहार अभी किया जा रहा है, वैसा कभी नहीं हुआ। हर काम को नियमों के तहत ही किया जा सकता है और कोई भी काम के लिए एक व्यक्ति जिम्मेदारी नहीं हो सकता। सरकार और चिकित्सा विभाग को जिस काम या नियमों के लिए लिखा जाता है उसे पूरा नहीं किया जाता और कुछ दिन बाद पत्र लिखने वाले डॉक्टर को ही टारगेट किया जाता है।

पिछले वर्षों में डॉ. राजेश शर्मा, डॉ. जगदीश, डॉ. अचल, डॉ. राजीव, डॉ. राशिम, डॉ. महेन्द्र बैनाड़ा सहित अन्य पर कार्रवाई की गई।

अस्पताल में कोई भी घटना, मामला होने पर डॉक्टर्स को ही जिम्मेदार ठहराया जाता है। मीटिंग में अभद्र और तल्ख भाषा में बात की जाती है।

एसएमएस, जेके लोन, महिला, जनाना जैसे अस्पतालों में रोजाना दर्जनों ऐसे मरीज आते हैं, जिनके लिए विधायक, मंत्री, सीएमओ और आईएएस-आईपीएस के फोन आते हैं।

पार्किंग, कैंटीन जैसे छोटे कामों के लिए एप्रोच कॉल आते हैं और गड़बड़ी की जिम्मेदारी डॉक्टर्स पर थोपी जाती है।

काम की अधिकता बढ़ रही है और कोई भी काम छूट जाता है तो डॉक्टर्स पर गाज गिरती है।

अस्पताल में स्टाफ की बेहद कमी है और मरीजों की संख्या बढ़ रही है।

छोटे मामले राजनीतिक तूल बन जाते हैं और कमेटियां बना दी जाती हैं।

प्रदीप मिश्रा बोले-कोई महाराज भाग्य बदल देगा, यह फालतू बातें

मेरे चक्कर में बिल्कुल मत पड़ो; ट्रेन में मैं टॉयलेट तक नहीं जा पाता

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। जयपुर में कथावाचक प्रदीप मिश्रा ने कहा कि आडंबर में मत पड़ो। कोई महाराज कहे कि मेरे पास आओ, हाथ रख दूंगा। तुम्हारा काम हो जाएगा। तुम्हें कुछ पढ़कर दे दूंगा। तुम्हारा भाग्य पलट दूंगा। ये सब फालतू की बातें हैं।

अपनी मेहनत, लगन, परिश्रम और अपने भाग्य पर भरोसा करो। भाग्य बदलने का बल किसी में है तो वह सिर्फ आप में है। अगर भरोसा करना है तो भगवान पर करो। जो अमर है। हम कथा पर भरोसा नहीं करते। शिव पर भरोसा नहीं करते। इधर-उधर के चक्कर में पड़े रहते हैं।

शिवमहापुराण कथा के छठे दिन प्रदीप मिश्रा ने कहा- आप लोगों के चक्कर में मैं कमरे से बाहर नहीं आ पाता। मेरा भी दिल बाहर आने का करता है। कुछ समय पहले मैं ट्रेन के फर्स्ट एसी में सफर कर रहा था। मुझे टॉयलेट जाना था।

मालूम चला टॉयलेट के बाहर भी लोग मोबाइल लेकर सेल्फी ले रहे हैं। मैं उनसे कह रहा हूं, मुझे अंदर जाना है। मुझे टॉयलेट तो जाने दो। चैन से जीने दो। मैं टॉयलेट तक नहीं जा पाता। ये नहीं करें।

मुझसे हाथ रखने की मत कहो

प्रदीप मिश्रा ने कहा- मैं आप सभी से हाथ जोड़कर निवेदन करता हूं कि मुझसे ये मत कहो कि मेरे ऊपर हाथ रखो दो। मेरा कष्ट दूर हो जाएगा। मेरे शंकर से नाता जोड़ लो। यह शरीर आज है, कल नहीं रहेगा। शंकर अजर-अमर है। आप शंकर की भक्ति को पाने का प्रयास करें।

सड़कों पर बैठकर भी सुन रहे हैं कथा

कथा सुनने आई लोगों की भीड़ पर प्रदीप मिश्रा ने कहा- किसी में सामर्थ्य नहीं कि इतनी बड़ी कथा करवा सके। कथा करवाने वाला भी शंकर है। कथा करने वाला भी शंकर है। सुनने वाले भी शंकर। बहुत सारे लोग पांडाल के बाहर बैठे हैं। जिन्हें मैं देख भी नहीं पा रहा। फिर भी वो सड़कों पर बैठकर कथा सुन रहे हैं।

उनकी दशा मुझे पता है कि उनकी भी इच्छा है, हम भी पांडाल में व्यासपीठ का दर्शन करें। प्रणाम करें। मैं सभी से कहना चाहूंगा कि समिति ने बहुत बड़ा आयोजन किया है। आप लोगों के आगे कम पड़ गई। उन्हें समझने का प्रयास कीजिए। यह कथा राजस्थान के इतिहास में दर्ज होने जा रही है। इससे पहले इतनी बड़ी कथा यहां नहीं हुई। सड़कों पर बैठी सभी माताओं से कहना चाहूंगा आप जहां से कथा सुन रही हैं, मिट्?टी को प्रणाम करके अपने घर जाएं। कथा करवाने वालों को आशीर्वाद दीजिए।

बॉलीवुड के कलाकार मंदिर जाकर देते सनातन धर्म का संदेश

प्रदीप मिश्रा ने कहा- मुझे एक अधिकारी की बात अच्छी लगी। महाराष्ट्र में मेरी कथा हो रही थी। वहां के एक बड़े अधिकारी कथा सुनने आए। मैंने उनसे कहा आप इतने बड़े अधिकारी हैं। इतने बड़े पद पर हो। इतना बड़ा कार्यभार संभालते हो। उन्होंने कहा कि जब कोई बड़ा अधिकारी कथा या सत्संग में जाता है, केवल वह अपने लिए नहीं हजारों नवयुवक बेटे-बेटियों को प्रेरणा देता है। हमें सनातन धर्म की ओर बढ़ना है। कोई बड़ा आदमी बड़े पद पर हो तो उसे कुछ क्षण के लिए कथा सत्संग में जाना चाहिए।

फिल्मों में काम करने वाले कलाकार, नेता, प्रसिद्ध व्यक्ति अगर बड़े-बड़े मंदिरों में जाकर भगवान के दर्शन करते हैं। उनके फोटो-वीडियो वायरल होते हैं। समाज में संदेश जाता है कि इतना बड़ा कलाकार होकर भी अगर भगवान के चरणों में झुक रहा है। आज की पीढ़ी को झुकना चाहिए। अगर भगवान ने अच्छी काया दी है। इसे भगवान के कर्म में लगाओ। भगवान ने अगर धन दिया है तो उसे सदुपयोग में लगाओ। जिसने काया दी है, उसे उसकी सेवा में लगाओ। भगवान जब धन वैभव दे देता है तो वह उसको भूल जाता है।

जयपुर एयरपोर्ट पर 12 घंटे परेशान हुए 170 पैसेंजर्स

ड्यूटी टाइम पूरा होने पर पायलट ने छोड़ी फ्लाइट, अहमदाबाद से डाइवर्ट हुई थी फ्लाइट

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। दिल्ली से अहमदाबाद जा रही अकासा एयरलाइंस की फ्लाइट को बीती रात जयपुर एयरपोर्ट पर डायवर्ट किया गया था। इसके बाद फ्लाइट में मौजूद पायलट ड्यूटी टाइम पूरा होने पर फ्लाइट छोड़ कर चले गए। जिसकी वजह से लगभग 12 घंटे तक जयपुर एयरपोर्ट पर फ्लाइट में मौजूद 170 से ज्यादा पैसेंजर्स परेशान होते होना पड़ा। दरअसल, दिल्ली से अहमदाबाद जाने वाली अकासा एयर की फ्लाइट QP - 1146 अहमदाबाद में खराब मौसम होने की वजह से सोमवार देर रात जयपुर एयरपोर्ट पर डाइवर्ट हुई थी। रात लगभग 1 बजकर 25 मिनट पर फ्लाइट जयपुर एयरपोर्ट पहुंची। इसके बाद फ्लाइट में मौजूद यात्रियों को लगभग डेढ़ घंटे बाद अराइवल एरिया में लाया गया। जहां लगभग 12 घंटे तक फ्लाइट में मौजूद 170 से ज्यादा यात्री परेशान होते रहे। लेकिन एयरलाइन कंपनी द्वारा फिर से फ्लाइट शेड्यूल जारी नहीं किया। इस दौरान बड़ी संख्या में बच्चे बुजुर्ग और महिलाएं एयरपोर्ट के अराइवल एरिया में ही परेशान होती नजर आई। लेकिन एयरलाइन कंपनी द्वारा उनके भोजन पानी तक की व्यवस्था नहीं की गई। फ्लाइट में मौजूद यात्री अनुपम ने कहा कि बीती रात से यहां जयपुर एयरपोर्ट पर बैठे हैं। लेकिन एयरलाइन कंपनी द्वारा न तो कोई वैकल्पिक फ्लाइट की जानकारी दी गई है। न ही हमें खाने पीने की कोई वस्तु उपलब्ध कराई है। इसके साथ ही हम लगभग 12 घंटे से ज्यादा वक्त से यहां परेशान हो रहे हैं। लेकिन हमारी फ्लाइट अहमदाबाद कब जाएगी। इसको लेकर भी कोई व्यवस्था नहीं की जा रही है। इस मामले पर सरकार को ध्यान देना चाहिए और हम जैसे यात्रियों की सुध लेनी चाहिए। वहीं यात्रियों की परेशानी को लेकर अकासा एयरलाइंस ने खेद जता अपना पक्ष रखा। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि मौसम की वजह से फ्लाइट को अहमदाबाद की जगह जयपुर डायवर्ट किया गया था। जहां हमारे क्रू मेंबर्स यात्रियों की हर संभव मदद के लिए तैयार है। उन्होंने बताया कि पायलट की ड्यूटी अवर्स पूरे होने के बाद नए पायलट द्वारा सभी यात्रियों को सब कुशल अहमदाबाद पहुंचा दिया गया है।

राजस्थान के 28 शहरों में कल होगा ब्लैकआउट

जैसलमेर-जोधपुर में बजाया सायरन; श्रीगंगानगर में ड्रोन उड़ाने पर रोक

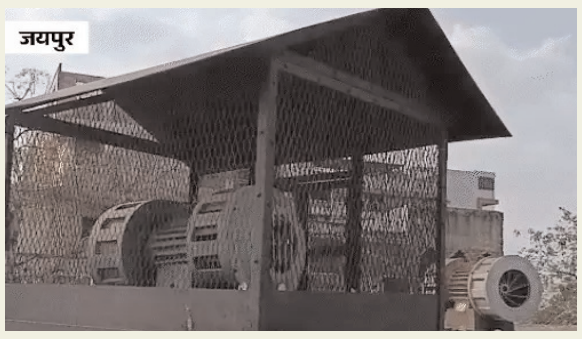

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश के बाद राजस्थान के 28 शहरों में भी युद्ध के दौरान होने वाले हमले से बचने के लिए कल (7 मई) मॉक ड्रिल होगी। मॉक ड्रिल में सायरन बजते ही आधे घंटे के लिए सभी 28 शहर अंधेरे में डूब(ब्लैकआउट) जाएंगे। यह सायरन हवाई हमले से सतर्क करने के लिए बजाए जाते हैं। केंद्र सरकार ने युद्ध के दौरान बचाव के लिए सिविल डिफेंस की तीन कैटेगरी में शहरों को बांटा है। इनमें कोटा और रावतभाटा (चित्तौड़गढ़) को सबसे संवेदनशील शहरों वाली कैटेगरी में रखा गया है। वहीं, जयपुर सहित 18 शहरों को कम संवेदनशील वाली दूसरी कैटेगरी में रखा गया है। सबसे कम संवेदनशील वाली कैटेगरी में 8 शहर शामिल हैं। इन शहरों में रात में सायरन बजेंगे और ब्लैकआउट भी होगा। जयपुर में शाम 4 बजे मॉक ड्रिल होगी। वहीं जोधपुर, जैसलमेर समेत कई शहरों में मॉक ड्रिल के लिए तैयारी शुरू कर दी है। जैसलमेर, जोधपुर,बीकानेर में हवाई हमले से अलर्ट करने वाले सायरन बजाकर देखे गए। श्रीगंगानगर में ड्रोन उड़ाने पर रोक लगा दी गई। सरहदी इलाकों में रहने वाले लोगों का कहना है कि ऐसी तैयारियां आखिरी बार साल 1971 में देखी गई थीं।

राजस्थान में आयुर्वेद चिकित्सकों की भर्ती की मांग

राजस्थान बेरोजगार आयुर्वेद चिकित्सक महासंघ ने आयुष मिशन अधिकारियों को सौंपा ज्ञापन, स्वास्थ्य मिशन में 1532 पद खाली

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। राजस्थान बेरोजगार आयुर्वेद चिकित्सक महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. राकेश गुरावा ने आज आयुष मिशन अधिकारियों से मुलाकात की। उन्होंने आयुष विभाग में रिक्त पदों की भर्ती प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली। प्रोजेक्ट मैनेजर ने बताया कि भर्ती से संबंधित अभ्यर्थना राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड को भेज दी गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत कुल स्वीकृत 2037 पदों में से 1532 पद अभी खाली हैं। चिकित्सक संघ ने सरकार से भर्ती विज्ञप्ति जल्द जारी करने की मांग की है। इस मुलाकात के दौरान डॉ. शुभाशु शर्मा, डॉ. छगन राणा, डॉ. सत्यनारायण मीणा और डॉ. गिरीश कुमार भी मौजूद रहे।

राजस्थान के 22 जिलों में आज आंधी-बरसात का अलर्ट

उदयपुर, बाड़मेर में बारिश के बदला मौसम, तापमान में गिरावट, गर्मी से राहत

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। राजस्थान में मंगलवार को भी पश्चिमी विक्षोभ का असर जारी रहा। जोधपुर, बाड़मेर, जालोर, उदयपुर, सवाई माधोपुर, टोंक समेत कई जिलों में बारिश हुई। जोधपुर, उदयपुर भीलवाड़ा समेत 7 जिलों में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के अनुसार बुधवार को 6 जिलों में 40 से 70 किलोमीटर की आंधी चलने और बारिश होने का ऑरेंज अलर्ट है। साथ ही 15 जिलों में येलो अलर्ट है। राज्य में 10 मई तक आंधी-बारिश का दौर जारी रहने की संभावना जताते हुए 30 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। मंगलवार को उदयपुर में 15.2 एमएम बारिश हुई। बाड़मेर में 3 एमएम, सीकर में 1 एमएम, जबकि कुछ स्थानों पर बूंदाबांदी हुई। बारिश-बादल छाने से प्रदेश में गर्मी कम रही। दिन का तापमान औसत से नीचे दर्ज हुआ है। सबसे ज्यादा तापमान बाड़मेर, जैसलमेर में 36.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। गंगानगर में अधिकतम तापमान 36.2, बीकानेर में 35.2, चूरू में 35.7, धौलपुर में 35.1, झुंझुनूं में 34, फतेहपुर में 34.4, हनुमानगढ़, पिलानी में 34.5, अलवर में 34.6 और जयपुर में 32.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ।

इन शहरों में पारा 30 डिग्री से नीचे

जोधपुर, भीलवाड़ा में लगातार दूसरे दिन मंगलवार को अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। जोधपुर में अधिकतम तापमान 29.7, प्रतापगढ़ में 29.8, सिरोही में 27.2, उदयपुर में 29, चित्तौड़गढ़ में 29.5, भीलवाड़ा में 27.4 और माउंट आबू में 25.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इन शहरों में तापमान कम होने से गर्मी और हीटवेव से राहत रही।

पोर्ट ऑफ स्पेन पहुंची भगवान राम की मूर्तिः 25 मई को त्रिनिदाद में स्वागत समारोह, कार्यक्रम में प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर लेंगी हिस्सा

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। त्रिनिदाद एवं टोबेगो में भगवान राम की मूर्ति स्थापित होगी। यह मूर्ति अयोध्या में स्थित मूर्ति के जैसी आकार और स्वरूप समान होगी। भगवान की मूर्ति पोर्ट ऑफ स्पेन में पहुंच चुकी है। त्रिनिदाद एंड टोबेगो में 40 से ज्यादा हिंदू संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले अयोध्या श्रीराम संगठन के अध्यक्ष अमित अलघ ने बताया कि त्रिनिदाद एंड टोबेगो की नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर, उनके कैबिनेट सहयोगी और भारतीय उच्चायुक्त डॉ.प्रदीप सिंह राजपुरोहित को 25 मई 2025 को त्रिनिदाद में होने वाले राम लला के भव्य स्वागत समारोह के लिए आमंत्रित किया गया है।

भंडारी बोलेः जनता राम लल्ला की भक्त

वहीं ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ राम मंदिर, न्यूयॉर्क के संस्थापक प्रेम भंडारी को भी 25 मई के इस आयोजन में विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। उन्होंने कहा- भले ही भारतीय कई दशक पहले त्रिनिदाद में आकर बसे हों, लेकिन उनका सनातन धर्म के प्रति समर्पण आज भी उतना ही है। उन्होंने कहा, त्रिनिदाद की जनता राम लल्ला की परम भक्त है। उन्होंने यह भी बताया कि दुनिया की सबसे ऊंची हनुमान मूर्तियों में से एक त्रिनिदाद में स्थित है। 21 जनवरी 2024 को अयोध्या में राम लल्ला प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक दिवस को याद करते हुए अमित अलघ ने बताया- त्रिनिदाद में हजारों श्रद्धालु इस पावन अवसर को उत्साह के साथ मनाने

के लिए जुटे थे। हाल ही में 27 अप्रैल 2024 को हनुमान जयंती पर भी हजारों श्रद्धालुओं ने हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया। अयोध्या में विराजित राम लला की हूबहू मूर्ति, आकार और स्वरूप में समान है, जो कि त्रिनिदाद पहुंच चुकी है और 25 मई को होने वाले आयोजन के लिए अब तक लगभग 5000 श्रद्धालुओं ने इस ऐतिहासिक उत्सव में भाग लेने के लिए रजिस्ट्रेशन करा लिया है। अलघ ने बताया- 30 मार्च 2025 को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में त्रिनिदाद एंड टोबेगो में भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं के जीवंत संरक्षण का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि रामायण का नियमित पाठ होता है, भगवा यहां अत्यंत लोकप्रिय है और सभी भारतीय त्योहार यहां उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाए जाते हैं। ये दोनों ऐतिहासिक आयोजन ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ राम मंदिर न्यूयॉर्क के सहयोग से आयोजित किए गए, जिसमें संस्थापक प्रेम भंडारी, अध्यक्ष अजय पटेल और उनकी टीम का पूरा समर्थन मिला। भारत के उच्चायुक्त डॉ. प्रदीप सिंह राजपुरोहित नें दोनों आयोजनों में मुख्य अतिथि के रूप में अपने परिवार सहित हिस्सा लिया।

Tni आवाज़

उत्तरप्रदेश की राजनीति

E-mail: tniawaz.news@gmail.com
www.hpnews.in/www.tniwaaz.in

आपकी आवाज के साथ....

www.uttarpradeshkirajneeti.com

जयपुर, बुधवार 07 मई, 2025

HP NEWS हिन्दुस्तान की आवाज़
हिन्दुस्तान पत्रिका
HINDUSTAN KI AWAZ

आगरा, फ़िरोज़ाबाद, मैनपुरी, मथुरा,अलीगढ़, एटा, हाथरस, कासगंज,बदायूं, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर,औरैया, इटावा, फ़र्रूख़ाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर से प्रसारित

'भूतनी' की दहशत से जिंदगी और मौत की जंग लड रहा किशोर

उत्तरप्रदेश की राजनीति

मनोज माथुर/कोसीकलां। थानाक्षेत्र की चौकी बठैनगेट के अंतर्गत आने वाली एक कालोनी निवासी एक किषोर 'भूतनी' की दहषत से ऊपर छत से नीचे गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनो ने उसे स्थानीय हास्पीटल में भर्ती कराया है। बताते हैं कि किषोर बोल नहीं पा रहा है और सिर्फ और सिर्फ उसके साथ हुए हादसे को याद को याद कर दहषत में है। आजकल भूत, प्रेत होने या मरे हुए व्यक्ति के भूत के रूप में आने की घटनाओं को महज एक अंधविष्वास मानकर दरकिनार कर दिया जाता है। लेकिन भूत होते हैं और जब मर्जी आए हवाओं के साथ दिखाई भी दे जाते हैं। यह कोई कहानी नहीं है। यह एक ऐसी अजीबोगरीब घटना है कि 'भूतनी' को देखने के बाद किषोर पांच दिन बाद भी उस भयाभय दृष्य को भुला नहीं पा रहा है। जी हां यह घटना सत्य बतायी जा रही है बताते हैं कि बठैनगेट चौकी के अंतर्गत आने वाली एक कालोनी निवासी एक करीब 7 वर्षीय किषोर करीब पांच दिन पूर्व अपने घर की छत पर पतंग उडा रहा था। बताते हैं कि अचानक सफेद कपडों में एक महिला आयी और उसने किषोर को ऐसा धक्का मारा कि किषोर छत से सीधा नीच जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे हास्पीटल ले ले गए। पूछताछ मे किषोर ने परिजनों को मामले की जानकारी दी, लेकिन अब किषोर सिर्फ और सिर्फ उसी दृष्य को देख दहषत में है। उपचार के साथ साथ अन्य उपचार किषोर के कराए जा रहे हैं। परिजन परेषान है।

सायबर ठगी करने वाला एक दबोचा

उत्तरप्रदेश की राजनीति

कोसीकलां। थाना पुलिस ने गांव बुखरारी सुजावली मोड से एक युवक को हिरासत में ले चालान किया है। युवक के कब्जे से एक मोबाइल एवं नषीला पाउडर बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी सायबर ठगी करने में प्रयोग करने के लिए नषीला पाउडर लाया गया। सोमवार को थाना पुलिस शेरगढ-षाहपुर रोड पर गस्त कर रही थी। जैसे ही पुलिस गांव बुखरारी-सुजावली मोड पर पहुंची, इसी दौरान संदिग्ध खडे युवक को पुलिस ने टोका तो युवक भागने लगा। पुलिस ने युवक को घटना स्थल से ही हिरासत में ले लिया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम साजिद पुत्र खुर्शीद निवासी नगला उटावर बताया। युवक के कब्जे से पुलिस ने 150 ग्राम नषीला पाउडर एक मोबाइल बरामद किया गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह फेसबुक पर फर्जी एकाउन्ट बनाकर बॉडी बनाने वाली एवं सैक्स पावर बढाने वाली दवाईयों का विज्ञापन दिखाकर लोगों से साइबर ठगी कर रूपये ऐठने का कार्य करता है तथा रूपये प्राप्त करने के बाद दबाई नहीं भेजता है।

मारपीट के मामले में दो पकडे

उत्तरप्रदेश की राजनीति

कोसीकलां। गांव कामर निवासी केदार पुत्र नन्दराम एव धर्मेन्द्र पुत्र भागीरथ में पट्टे की जमीन पर प्लाट के बटवारे को लेकर विवाद हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनो को हिरासत में ले लिया। पूछताछ के बाद पुलिस ने दोनो का चालान कर दिया।

गाली गलौज कर मारपीट करने का आरोप

उत्तरप्रदेश की राजनीति

कोसीकलां। गांव हुलवाना निवासी देवकी पत्नी बाबूलाल ने गांव के ही भजन पुत्र मेघराम एवं उसके दो पुत्र तथा उसकी पत्नी गीता पर उसके साथ गाली गिलोज करते हुए मारपीट करने का आरोप लगाते हुए थाना कोसीकलां में नामजद मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी भजन के पुत्र ओमवीर को हिरासत में ले चालान कर दिया।

शराब के नषे में मारपीट करने का आरोप

उत्तरप्रदेश की राजनीति

कोसीकलां। लालाराम मार्ग निवासी जाहिद पुत्र रशीद खाँन ने वाइपास निवासी दीनू पुत्र भगत सिंह पर फुट ओवर ब्रिज के पास उसके साथ शराब के नशे मे गाली गिलोज कर मारपीट कर दुकान का सामान तोडने एवं विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए थाना कोसीकलां में नामजद मुकदमा दर्ज कराया है।

ज्वेलर हत्याकांड...तीन आईपीएस-300 पुलिसकर्मी और टेक्नोलॉजी ने खोला केस

1000 सीसीटीवी चेक किए, सॉफ्टवेयर से साफ की धुंधली तस्वीर, तब बदमाशों तक पहुंचे

उत्तरप्रदेश की राजनीति

आगरा। आगरा में ज्वेलर की हत्या और लूट की घटना के बाद पुलिस के लिए सबसे बड़ी चुनौती जल्द से जल्द घटना का खुलासा करने के लिए थे। मामला व्यापारी से जुड़ा था तो गूंज लखनऊ तक पहुंची। वहां से पल-पल का अपडेट लिया जा रहा था। ऐसे में हत्या और फरारी के समय के सीसीटीवी फुटेज मिलने के बाद पुलिस ने तकनीक का सहारा लिया। पुलिस को अमन का एक फोटो ऐसा मिला जब उसने नाकाब हटाया था। बस इसके बाद साफ्टवेयर की मदद से बदमाश के चेहरे को साफ किया गया। पुलिस ने सर्विलांस की भी मदद ले ली। दोनों तकनीक से पुलिस को एक ही दिशा मिली। इसके बाद आगे बढ़ी पुलिस ने बदमाशों को चिन्हित कर लिया। सिकंदरा के कारगिल तिराहा के पास बालाजी ज्वेलर्स शोरूम में लूटपाट के बाद बदमाशों ने सर्राफ योगेश चौधरी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस को बाजार में लगे सीसीटीवी कैमरे की रिकार्डिंग से बदमाशों का फुटेज मिला था। 23 सेकंड के वीडियो में

बदमाश निकलते समय सर्राफ को गोली मारते दिख रहे थे। पुलिस ने स्मार्ट सिटी के सीसीटीवी कैमरों के साथ घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों के सीसीटीवी कैमरों की रिकार्डिंग भी देखी। पुलिस को बदमाशों के कई स्थानों के फुटेज मिले। इनमें से एक में बदमाश के चेहरे पर मास्क नहीं था। मगर, चेहरा साफ नहीं दिख रहा था। ऐसे में एडीशनल डीसीपी सिटी आदित्य कुमार ने बदमाश की तस्वीर को साफ करने के लिए साइबर सेल की मदद ली। साफ्टवेयर से चेहरे को स्पष्ट किया। इसके बाद फोटो लेकर पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में जानकारी की। उधर, सर्विलांस टीम की जांच में एक संदिग्ध नंबर भी मिल गया। मोबाइल कंपनी से जब मोबाइल सिम मालिक की जानकारी मिली तो पुलिस सुमित के दोस्त तक पहुंच गई। इसके बाद कड़ियां जुड़ती गईं और सुमित और अमन पुलिस की पकड़ में आ गए।

तीन आईपीएस - 300 पुलिसकर्मी

घटना का खुलासा करने के लिए पुलिस की दस टीम फ्रंट पर काम कर रही थीं। इनमें करीब 150 पुलिसकर्मी थे। पुलिस आयुक्त दीपक कुमार खुद मानीटरिंग कर रहे थे। डीसीपी सिटी सोनम कुमार अपने स्तर से निगरानी में लगे थे। जबकि अपर पुलिस उपायुक्त आदित्य और एसीपी हरीपर्वत विनायक भोंसले सीधे टीम को लीड कर रहे थे। 150 से अधिक पुलिसकर्मी रूट के सीसीटीवी कैमरे चेक करने में लगाए गए थे। रातदिन में उन्होंने एक हजार से अधिक कैमरों की रिकार्डिंग चेक कर बदमाशों का सुराग तलाश। सर्विलांस टीम संदिग्ध मोबाइल नंबर पता करने को आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर रही थीं। सभी टीमों को एक वाट्सएप ग्रुप से जोड़ा गया था। इस पर अधिकारियों ने पल-पल का अपडेट लेकर निर्देशित किया। एक बदमाश की स्पष्ट तस्वीर सामने आने के बाद कई टीमें क्षेत्र में उसे लेकर घर-घर तक गईं। मैनपुरी के एसओजी प्रभारी कुलदीप दीक्षित को घटना के खुलासे के लिए स्पेशल परमिशन लेकर संबद्ध कराया गया। पर्दाफाश में इंस्पेक्टर सिकंदरा नीरज शर्मा, इंस्पेक्टर न्यू आगरा राजीव त्यागी, इंस्पेक्टर ताजगंज जसवीर सिंह सिरोही, एसओ चित्राहाट रुद्र प्रताप, एसओ डौकी योगेश कुमार और सर्विलांस प्रभारी अंकुर मलिक की अहम भूमिका रही।

लुटेरे को तीन गोलियां लगी,शरीर में एक मिली

मुठभेड़ में लुटेरे अमन के शरीर पर तीन गोलियां लगीं। इनमें से दो गोलियां सीना और सिर चीर कर निकल गईं। पोस्टमार्टम के दौरान चिकित्सक को उसके शरीर पर गोलियों के तीन निशान मिले। सिर पर पीछे की तरफ,सीने पर और जांघ पर गोलियां लगी थीं, सिर्फ जांघ में बुलेट फंसी मिली है।

सर्राफ कारोबारी का हत्यारा पुलिस मुठभेड़ में ढेर, मैनपुरी एस ओ जी प्रभारी की रणनीति आई काम

उत्तरप्रदेश की राजनीति

आगरा। शुक्रवार को दिन दहाड़े थाना सिकंदरा क्षेत्र के कारगिल चौराहे के नज़दीक बालाजी ज्वैलर्स के मालिक की दुकान में बीस लाख से अधिक की ज्वैलरी एवम नगदी लूट कर पेट में गोली मारकर हत्या करने वाला बदमाश अमन मंगलवार तड़के पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। अमन के सगे भाई सुमित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया जबकि उसका साथी फारुख फरार हो गया जिस पर पुलिस द्वारा 50 हजार का इनाम घोषित किया गया है घटना को लेकर व्यापारियों में आक्रोश पनप रहा था व्यापारियों एवं परिवारजनों द्वारा केंडिल मार्च भी निकाला गया था। पुलिस कमिश्नर आगरा दीपक कुमार ने मीडिया को बताया कि अमन के भाई सुमित ने रेकी कर अमन एवम फारुख को बाइक उपलब्ध कराई थी वह बाहर खड़े होकर निगरानी कर रहा था अमन एवम फारुख दुकान में घुसे थे जिन्होंने गन प्वाइंट पर लूटपाट की थी इस बीच पंहुचे मालिक द्वारा प्रतिरोध करने पर लुटेरों ने गोली मार दी थी जिसके चलते

उनकी मौत हो गई थी घटना के खुलाशे के लिए 9 टीमें लगाई गई थीं घटना को पुलिस महादिशेक द्वारा गंभीरता से लिया गया पुलिस को बदमाशों की अंसल ए पी आई के नजदीक के नवनिर्मित फ्लैटों में छुपे होने की जानकारी मिली जिस पर पुलिस टीम ने घेराबंदी करते हुए अमन और सुमित को दबोच लिया इसी बीच फारुख मौके से भागने में सफल रहा अमन ने भी इसी बीच पुलिस टीम पर फायर कर दिया एवं आत्मरक्षा में पुलिस द्वारा चलाई गोली से मारा गया पुलिस कमिश्नर द्वारा टीम को 25

हजार का इनाम की घोषणा की गई।

आगरा.... 44 महीने बाद पुलिस की गोली सीने में लगी

2021 में एनकाउंटर में मारे थे 5 बदमाश, अब अमन हुआ ढेर

उत्तरप्रदेश की राजनीति

आगरा। आगरा में मंगलवार को ज्वेलर योगेश चौधरी की हत्या करने वाले बदमाश अमन को पुलिस ने एनकाउंटर में ढेर कर दिया। इस एनकाउंटर के बाद आगरा पुलिस के 2021 के एनकाउंटर की याद ताजा हो गई। वर्ष 2021 में पुलिस की गोली बदमाशों के सीने पर लगीं। बड़ी-बड़ी वारदात कर सनसनी फैलाने वाले पांच बदमाश दो माह में हुई तीन मुठभेड़ों में ढेर हो गए। तब से फिर पुलिस मुठभेड़ में बदमाशों के घायल होने का क्रम चल रहा था। मंगलवार को 44 माह बाद पुलिस मुठभेड़ में सिकंदरा क्षेत्र में एक बदमाश अमन ढेर हुआ है। सिकंदरा क्षेत्र में कारगिल चौराहा पर सर्राफ के शोरूम से लूट और उनकी हत्या करने की घटना के बाद व्यापारियों में आक्रोश था। भीड़ भाड़ वाले व्यस्त रोड के किनारे बेखौफ अंदाज में गोली मारकर बदमाश फरार हो गए थे। इनमें से एक बदमाश अमन सिकंदरा क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में मंगलवार को ढेर हो गया। इसके बाद पूर्व की मुठभेड़ों की याद ताजा हो गई। 17 जुलाई 2021 को कमला नगर स्थित मणप्पुरम गोल्ड की शाखा से सोने के गहने लूट ले गए बदमाशों से पुलिस की एत्मादपुर में मुठभेड़ हुई थी। इसमें फिरोजाबाद के मनीष पांडेय और निर्दोष कुमार ढेर हो गए। उनके अन्य साथी बाद में पकड़े गए। इसके बाद 22 जुलाई 2021 को ट्रांस यमुना कालोनी फेस टू के रहने वाले डा. उमाकांत गुप्ता के अपहरण में फरार बदमाश बदन सिंह जगनेर क्षेत्र में मुठभेड़ में ढेर हुआ था। उसका साथी एटा के राजा का रामपुर निवासी अक्षय भी पुलिस की मुठभेड़ में मारा गया। 30 अगस्त 2021 को सदर क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में बसेड़ी के रहने वाले मुकेश ठाकुर को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया था। उस पर उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्यप्रदेश में 40 से अधिक मुकदमे थे। 15 फरवरी 2021 को इरादत नगर में केनरा बैंक में दिनदहाड़े डकैती के मामले में वह फरार चल रहा था। उसने भी पुलिस की पिस्टल छीनकर गोली चलाई थी।

नया बस स्टैंड-भूतेश्वर तिराहा क्षेत्र में जल भराव की समस्या के लिए दुकानदार भी कम नहीं थे जिम्मेदार, बड़े पैमाने पर हटाया निगम ने अतिक्रमण

उत्तरप्रदेश की राजनीति

मथुरा। महानगर के नया बस स्टैंड और भूतेश्वर तिराहा क्षेत्र में जल भराव की समस्या को गंभीरता से लेते हुए नगर निगम की टीम ने आज समूचे मार्ग पर नाले नालियों की तली झाड़ सफाई करते हुए बड़ी मौजूदगी में उस पर मौजूद अतिक्रमण हटाया है। दोनों तरफ दुकानदारों द्वारा नाले नाली को स्लैब डालकर कर पाट लिया गया था जिसको जेसीबी से तोड़ दिया गया है। इस कार्रवाई को नगर आयुक्त शशांक चौधरी ने अपनी मौजूदगी में स्वयं कराया है। नगर निगम की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई को देखने के लिए सड़क पर राहगीर और दुकानदारों का पूरे दिन जमावड़ा लगा रहा। बीती दो और तीन मई को हुयी वर्षा के दौरान नया बस स्टेण्ड और भूतेश्वर अण्डर पास के नीचे हुये जल भराव के कारण नगर आयुक्त श्री चौधरी द्वारा स्वयं स्थल पर उपस्थित रहकर जल निकासी का कार्य कराया गया था। आगामी दिनों में होने वाली वर्षा के दौरान जल भराव की समस्या पुनः उत्पन्न न हो इस हेतु नगर आयुक्त श्री चौधरी द्वारा सहायक नगर आयुक्त एवं क्षेत्रीय स्वास्थ्य अधिकारी के साथ मंगलवार को बी.एस.ए. रोड़ तथा बी.एस.ए. कॉलेज पुलिया का निरीक्षण

किया गया। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय पार्षद प्रतिनिधि तिलकवीर चौधरी पार्षद मुन्ना मलिक एवं हनुमान सिंह उपस्थित रहे । निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त पुलिया की तलीझाड़ सफाई करवाई । यहां यह भी उल्लेख करना है कि रेलवे द्वारा रेलवे लाइन विस्तार के दृष्टिगत बीएसए पुलिया जल निकासी वाले मुख्य नाले को अवरुद्ध कर दिया गया है एवं उसके स्थान पर जल निकासी हेतु संकरा पाइप डालकर जल निकासी की व्यवस्था की गई है जिसके कारण भूतेश्वर अंडरपास पर जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो रही है । नाले को पुनः मैन नाले से जोड़े जाने हेतु रेलवे विभाग के अधिकारियों से लगातार वार्ता की जा रही है साथ ही पत्राचार भी किया गया है। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने रेलवे के अधिकारियों से वार्ता की जिस पर अधिकारियों द्वारा बताया गया है कि उक्त कार्य आगामी 15 दिनों के अन्तर्गत पूर्ण करा दिया जायेगा एवं यथा शीघ्र नाले को सुचारु कर दिया जाएगा।

इसी के साथ आज नगर निगम टीम के द्वारा बृहद रूप से अभियान चलाकर BSA रोड पर नाले की तालीझाड़ सफाई हेतु नालों पर स्थाई या अस्थाई अतिक्रमण पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण को तुड़वाया जा रहा है ताकि नाले की अच्छी तरह से सफाई का कार्य कराया जा सके। नगर आयुक्त ने लोगों से अपील की है कि वह नालियों में कचरा न डालें एवं नाले नालियों के ऊपर अतिक्रमण न करें।

आगरा में आज मॉक ड्रिल

रात 8 से 8:15 तक होगा ऑपरेशन अभ्यास, बजेंगे सायरन, होगा ब्लैक आउट

उत्तरप्रदेश की राजनीति

आगरा। आगरा में आज मॉक ड्रिल होगी। रात 8 से 8:15 बजे तक अभ्यास होगा। सायरन बजते ही ब्लैक आउट होगा। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे इस एयर रेड वॉर्निंग में सहयोग करें। डीएम अरविंद मलप्पा बंगारी की अध्यक्षता में हुई बैठक में तैयारियों पर चर्चा हुई। बैठक में बताया गया कि आज रात 8 बजे से 8:15 बजे तक ऑपरेशन अभ्यास होना है। पहला सायरन उतार-चढ़ाव की आवाज वाला होगा। जो हमले को रेड सिग्नल बताएगा। इस दौरान दो से तीन मिनट तक सभी लोग अपनी इच्छा से अपने घरों, प्रतिष्ठानों, संस्थानों में सभी तरह की लाइटें बंद कर देंगे। दूसरा सायरन एक लंबी आवाज का बजाया जाएगा। जो ग्रीन सिग्नल होगा, जिसका मतलब होगा कि सामान्य स्थिति बहाल हो गई है। इसके बाद सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जाएगा।

यहां से बजेंगे सायरन

सीओडी, आगरा कैंट, जयपुर हाउस स्थित एडीए ऑफिस और जालमा संस्थान से इलेक्ट्रिक सायरन बजाए जाएंगे। कलेक्ट्रेट, मोहनपुरा, नराइज, रूई की मंडी, आईटीआई बल्केश्वर, पानी की टंकी कमलानगर, पुरानी मंडी ताजगंज, सेक्टर एक आवास विकास कॉलोनी, रावतपाड़ा, नरीपुरा, शहीद स्मारक संजय प्लेस, भगवान टॉकीज, बैनारा उद्योग, बोदला, शिल्पग्राम, गुरुद्वारा गुरु का ताल पर नागरिक सुरक्षा के वॉर्डनों द्वारा हैंड सायरन बजाए जाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

रोमानियाई प्रधानमंत्री ने की इस्तीफे की घोषणा

बुखारेस्ट। रोमानियाई प्रधानमंत्री मार्सेल सिओलाकू ने सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी (पीएसडी) के मुख्यालय में अपने इस्तीफे की घोषणा की। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब सत्तारूढ़ पीएसडी ने सत्तारूढ़ गठबंधन से हटने के निर्णय की पहले ही घोषणा कर चुका है। रविवार को रोमानिया के राष्ट्रपति चुनाव के पहले दौर के पुनर्मतदान के बाद आए नतीजों का हवाला देते हुए सिओलाकू ने कहा कि शासक गठबंधन के दो उद्देश्यों में से एक प्राप्त नहीं हुआ, जिसका मतलब है कि शासक गठबंधन में वैधता का अभाव है। सत्तारूढ़ गठबंधन का प्रतिनिधित्व करने वाले राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार क्रिन एंटोन्सक्यू 18 मई को निर्धारित दूसरे दौर के मतदान में स्थान पाने में असफल रहे।

तट पर फंसी चार 'फॉल्स किलर' व्हेल की मौत

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के दक्षिणी तट पर फंसी फॉल्स किलर व्हेल के समूह में से चार की मौत हो गई है। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के हाउस बीच पर सोमवार को सात फॉल्स किलर व्हेल फंसी मिली थीं। डीबीसीए ने पुष्टि की कि इनमें से चार की रात में मौत हो गई, जबकि तीन मंगलवार सुबह तक जीवित थीं। डीबीसीए के प्रवक्ता ने बताया कि टीम मौके पर है और मानवीय तरीके से कार्रवाई तय कर रही है। लोगों को क्षेत्र से दूर रहने की सलाह दी गई है और तट से 20 मीटर दूर शवों के कारण शार्क चेतावनी जारी की गई है।

यूपी में आंधी बारिश ने तबाही, चार की मौत

लखनऊ। प्रदेश के विभिन्न इलाकों में पिछले 24 घंटे के दौरान धूल भरी आंधी, बारिश और वज्रपात से चार लोगों की मौत हो गयी जबकि फसलों को व्यापक नुकसान पहुंचा है। औरैया, अलीगढ़ और बहराइच में वर्षा जनित हादसों में चार लोगों की मृत्यु की सूचना है वहीं कई क्षेत्रों में आंधी पानी से फसलों को नुकसान पहुंचा है। बहराइच में बिजली गिरने से एक व्यक्ति की हुई मौत हो गयी जबकि अलीगढ़ में पेड़ गिरने से किसान की मौत हुयी। औरैया में दीवार ढहने से एक व्यक्ति की मृत्यु हो गयी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आंधी-बारिश, ओलावृष्टि के मद्देनजर सम्बन्धित जिलों के अधिकारियों को पूरी तत्परता से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण कर सर्वे करें तथा राहत कार्य पर नजर रखें। आकाशीय बिजली, आंधी तूफान, बारिश आदि आपदा से जनहानि और पशुहानि होने की स्थिति में तत्काल प्रभावितों को राहत राशि का वितरण करें। घायलों का समुचित उपचार कराया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि जल जमाव की स्थिति होने पर प्राथमिकता पर जल निकासी की व्यवस्था कराई जाए।

जहरीले मशरूम को लेकर चेतावनी जारी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के दूसरे सबसे अधिक आबादी वाले प्रांत विक्टोरिया में स्वास्थ्य अधिकारियों ने जंगली जहरीले मशरूम को लेकर चेतावनी जारी की है। विक्टोरिया में स्वास्थ्य विभाग ने मंगलवार को राज्य के 70 लाख निवासियों को सतर्क रहने की चेतावनी दी है। ऑस्ट्रेलिया में शरद ऋतु और सर्दियों में जहरीले मशरूम अधिक व्यापक हो जाते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि विक्टोरिया में शरद ऋतु के दौरान डेथ कैप मशरूम और पीले रंग के मशरूम अधिक दिखाई देते हैं। घर के बगीचों में उगने वाले किसी भी जंगली मशरूम को हटा दें, ताकि छोटे बच्चे और पालतू जानवर उनके संपर्क में न आएं। वयस्कों और बच्चों को अपने नंगे हाथों से जंगली मशरूम को खाना तो दूर की बात है उन्हें छूना भी नहीं चाहिए और जानवरों को उनसे दूर रखना चाहिए।

अफगानिस्तान में बस पलटने से तीन की मौत

काबुल। उत्तरी अफगानिस्तान के समांगन प्रांत में एक यात्री बस पलटने से तीन यात्रियों की मौत हो गई तथा 33 अन्य घायल हो गए। प्रांतीय पुलिस कार्यालय ने मंगलवार को एक बयान में यह जानकारी दी। यह दुर्घटना मंगलवार सुबह खालम जिले में राजधानी काबुल को उत्तरी बल्ख प्रांत से जोड़ने वाले राजमार्ग पर हुई। बस काबुल से उत्तरी जौजजान प्रांत की ओर जा रही थी। सभी घायलों को उपचार के लिए समांगन के प्रांतीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सड़क दुर्घटना के लिए लापरवाही से वाहन चलाने को दोषी ठहराया गया है।

UNSC सदस्यों ने किया तनाव कम करने का आह्वान

संयुक्त राष्ट्र (भाषा)।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने भारत-पाकिस्तान के मध्य बढ़ते तनाव पर बंद कमरे में चर्चा की। इस दौरान राजदूतों ने संयम बरतने और संवाद करने का आह्वान किया तथा पाकिस्तान से कड़े सवाल पूछे। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के मई महीने के लिए अध्यक्ष यूनान ने पाकिस्तान के अनुरोध पर सोमवार को बैठक निर्धारित की थी। पाकिस्तान, वर्तमान में 15 सदस्यीय शक्तिशाली सुरक्षा परिषद का अस्थाई सदस्य है बैठक जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा 26 लोगों की हत्या किए जाने के कुछ दिनों बाद हुई। पहलगाम हमले की घटना के बाद से भारत में आक्रोश फैला हुआ है।

सुरक्षा परिषद ने बैठक के बाद कोई बयान जारी नहीं किया लेकिन पाकिस्तान ने दावा किया कि उसके उद्देश्य काफी हद तक पूरे हो गए। संयुक्त राष्ट्र में राजनीतिक और शांति निर्माण मामलों के विभाग (डीपीपीए) एवं शांति अभियान विभाग (डीपीओ) में पश्चिम एशिया, एशिया और प्रशांत मामलों के लिए सहायक महासचिव खालिद मोहम्मद खैरी ने दोनों विभागों की ओर से सुरक्षा परिषद को जानकारी दी। खैरी ट्यूनीशिया से है। बैठक से बाहर आकर खैरी ने कहा कि स्थिति काफी अस्थिर है लेकिन हमने संघर्ष का समाधान संवाद और शांतिपूर्ण तरीके से निकालने का आह्वान किया गया। संयुक्त राष्ट्र में यूनान के स्थाई प्रतिनिधि एवं वर्तमान यूएनएससी अध्यक्ष राजदूत इवेंजेलोस सेकेरिस ने इसे सार्थक और उपयोगी बैठक बताया। रूस के राजनयिक ने कहा, हमें तनाव कम होने की उम्मीद है। सूत्रों ने यहां बताया कि सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने अपने अनौपचारिक सत्र में पाकिस्तान से कड़े सवाल पूछे। उन्होंने कहा कि भारत के साथ द्विपक्षीय रूप से मुद्दों को सुलझाने की सलाह दी गई। सूत्रों ने कहा कि आतंकवादी हमले की व्यापक निंदा की गई और जवाबदेही की आवश्यकता को स्वीकारा गया। कुछ सदस्यों ने विशेष रूप से धार्मिक आस्था के आधार पर पर्यटकों को निशाना बनाने का मुद्दा उठाया। यूएनएससी सदस्यों ने पूछा कि क्या पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा के इसमें शामिल होने की संभावना है या नहीं। सुरक्षा परिषद की यह बैठक सोमवार दोपहर को लगभग डेढ घंटे तक चली। बैठक का आयोजन 'यूएनएससी चैंबर' में नहीं बल्कि उसके बगल के परामर्श कक्ष में हुआ।

सूत्रों ने बताया कि स्थिति का अंतरराष्ट्रीयकरण करने के पाकिस्तान के प्रयास भी विफल रहे। कई सदस्यों ने चिंता व्यक्त की कि पाकिस्तान के मिसाइल परीक्षण और परमाणु बयानबाजी ने स्थिति को बिगाड़ने का काम किया।

नागरिकों को निशाना बनाना गलत

न्यूयार्क(एपी)। पहलगाम आंतकी हमला मामले में भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव पर संयुक्त राष्ट्र में सुरक्षा परिषद की बंद कमरे में बैठक के बाद संरा महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ते देखकर उन्हें बेहद दुख और चिंता हो रही है। उन्होंने कहा कि नागरिकों को निशाना बनाया जाना अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा, संयुक्त राष्ट्र किसी भी ऐसी पहल को समर्थन देने के लिए तैयार है जो दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव को कम करने, कूटनीति औरा शांति को बढ़ावा को नए सिरे ये प्रतिबद्ध हो। उन्होंने भारत और पाकिस्तान से संयम बरतने की भी अपील की।

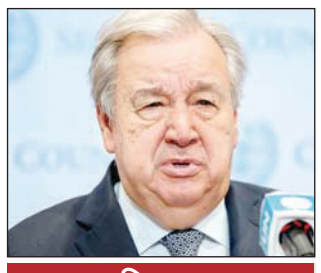

भारत-पाकिस्तान तनाव

■ यूएनएससी की बंद कमरे में चर्चा के दौरान कई सदस्यों ने पाकिस्तान से कठोर सवाल पूछे

मॉस्को के चार हवाई अड्डों पर विमानों का परिचालन निलंबित

मॉस्को (एपी)।

रूस की सेना ने देश के लगभग 12 क्षेत्रों को निशाना बनाकर दागे गए यूक्रेन के 100 से अधिक ड्रोन को नष्ट कर दिया। इसके कारण मॉस्को के आसपास के सभी चार हवाई अड्डों पर उड़ानें अस्थाई रूप से निलंबित कर दी गई है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

रूस की नागरिक उड्डयन एजेंसी 'रोसावियात्सिया' और रक्षा मंत्रालय के अनुसार यूक्रेन की सीमा से लगे इलाकों और अंदरूनी इलाकों में ड्रोन हमले के कारण नौ अन्य क्षेत्रीय रूसी हवाई अड्डों ने भी अस्थाई रूप से काम करना बंद कर दिया है। यह लगातार दूसरी रात थी जब मॉस्को क्षेत्र को निशाना बनाया गया। कुर्स्क क्षेत्र के गवर्नर अलेक्जेंडर खिन्श्तेन के अनुसार ड्रोन हमले के कारण क्षेत्र में दो लोग घायल हुए है और वोरोनिश क्षेत्र में कुछ नुकसान की सूचना मिली है। रूस की इन रिपोर्ट की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी। ड्रोन हमला ऐसे वक्त हुआ है जब द्वितीय विश्व युद्ध में विजय दिवस के अवसर पर मॉस्को में कई समारोह आयोजित किए जाएंगे तथा राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के खिलाफ तीन साल से अधिक समय से जारी युद्ध में दो दिन पहले एकतरफा 72 घंटे के युद्ध विराम की घोषणा की है। वर्ष 1945 में जर्मनी की हार और रूस की जीत का जश्न मनाने के लिए कई विदेशी गणमान्य लोग रूस की राजधानी में एकत्रित होंगे। इस दिन रूस में सार्वजनिक अवकाश होता है। इस बीच, रूसी सेना ने रात में देश की सीमा के पास यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव में 20 शाहिद ड्रोन दागे, जिसमें चार लोग घायल हो गए।

क्षेत्र के गवर्नर ओलेह सिनीहुबोव ने सोशल मीडिया मंच पर लिखा कि ड्रोन के हमले में खारकीव के सबसे बड़े बाजार बाराबाशोवो में आग लग गई, जिससे लगभग 100 दुकानें नष्ट एवं क्षतिग्रस्त हो गईं। सिनीहुबोव ने कहा कि रूसी ग्लाइड बम और ड्रोन के हमले में खारकीव क्षेत्र में सात और नागरिक घायल हुए हैं। पुतिन ने पिछले सप्ताह मानवीय आधार पर आठ मई से संक्षिप्त एकतरफा युद्धविराम की घोषणा की थी।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया स्वदेश लौटीं

ढाका (भाषा)।

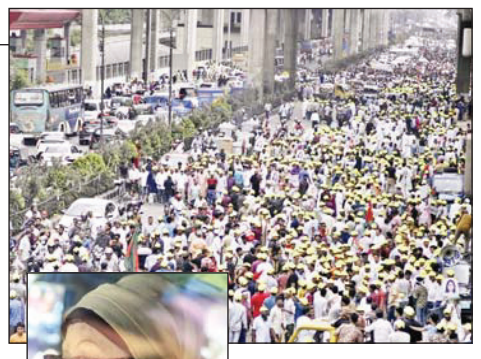

■ चार महीने तक इलाज के लिए लंदन में थी बीएनपी की अध्यक्ष

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया लंदन में चार महीने तक इलाज कराने के बाद मंगलवार को स्वदेश लौट आईं। मीडिया में आई खबर से यह जानकारी मिली। जिया बेहतर चिकित्सा देखभाल के लिए आठ जनवरी को लंदन गई थीं और उन्हें लंदन क्लीनिक में भर्ती कराया गया था। क्लीनिक से छुट्टी मिलने के बाद बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष अपने सबसे बड़े बेटे तारिक रहमान के घर चली गईं।

'ढाका ट्रिब्यून' ने बीएनपी मीडिया प्रकोष्ठ के सदस्य सैरुल कबीर खान के हवाले से बताया कि खालिदा और उनके साथ आए लोगों को लेकर कतर की शाही एयर एंबुलेंस सुबह 10:42 बजे हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरी। उनके साथ बेटे तारिक रहमान की पत्नी जुबैदा रहमान और दिवंगत अराफात रहमान कोको की पत्नी सईदा शर्मिला रहमान भी थीं। विमान स्थानीय समयानुसार शाम 4:20 बजे लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे से रवाना हुआ था। खालिदा के निजी चिकित्सक प्रोफेसर एजेडएम जाहिद हुसैन के अनुसार, तारिक अपनी मां को हवाई अड्डे तक पहुंचाने गए और उन्हें विदा किया। बांग्लादेश की तीन बार प्रधानमंत्री रह चुकी 79 वर्षीय खालिदा लंबे समय से लिवर सिरोसिस, किडनी रोग, हृदय रोग, मधुमेह और गठिया से पीड़ित है। इस बीच, बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं के साथ खालिदा की अगवानी करने के लिए सुबह करीब साढ़े आठ बजे हवाई अड्डे पर पहुंचे।

अपनी मर्जी से अमेरिका छोड़ने वाले

प्रवासियों को 1000 डॉलर का स्टाइपेंड

वॉशिंगटन (आईएएनएस)।

डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने घोषणा की है कि स्वेच्छा से अमेरिका छोड़ने वाले अवैध प्रवासियों को 1000 डॉलर और उनके यात्रा व्यय का भुगतान किया जाएगा। यह घोषणा सामूहिक निर्वासन को बढ़ावा देने के लिए किया गया है। होमलैंड सुरक्षा विभाग (डीएचएस) ने कहा, डीएचएस ने अवैध विदेशियों के लिए सीबीपी (सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा) होम ऐप के माध्यम से अपने देश वापस यात्रा करने के लिए वित्तीय और यात्रा सहायता प्राप्त करने के लिए ऐतिहासिक अवसर प्रदान करने का ऐलान किया है। कोई भी अवैध विदेशी जो स्व-निर्वासन के लिए सीबीपी होम ऐप का उपयोग करता है, उसे 1000 डॉलर का स्टाइपेंड भी मिलेगा, जिसका भुगतान उनके स्वदेश लौटने की पुष्टि होने के बाद किया जाएगा।

शिन्हुआ ने विभाग के हवाले से बताया कि स्टाइपेंड की लागत के बावजूद, यह अनुमान लगाया गया है कि ऐप का उपयोग करके स्व-निर्वासन से निर्वासन की लागत में लगभग 70 प्रतिशत की कमी आएगी। वर्तमान में एक अवैध विदेशी को गिरफ्तार करने, हिरासत में लेने और निकालने की औसत लागत 17,121 डॉलर है। होमलैंड सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम ने कहा, यदि आप अवैध रूप से यहां हैं, तो स्व-निर्वासन गिरफ्तारी से बचने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका छोड़ने का सबसे अच्छा, सबसे सुरक्षित और सबसे किफायती तरीका है। मिशिगन में हाल ही में एक रैली में भाषण देते हुए, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि उनके कार्यकाल के पहले 100 दिन इतिहास में किसी भी अमेरिकी प्रशासन के सबसे सफल दिन थे। ट्रंप ने अवैध अप्रवासियों के निर्वासन में वृद्धि जैसी नीतियों को अपनी प्रमुख उपलब्धियों में से एक बताया था। ब्रूकिंग्स इंस्टीट्यूशन द्वारा प्रकाशित एक हालिया विश्लेषण के अनुसार, एक क्षेत्र जहां प्रशासन अपने प्रवर्तन लक्ष्यों को पूरा करने में विफल होता दिख रहा है, वह निर्वासन की संख्या है।

सेना के शीर्ष पदों में 20% कटौती का निर्देश

वॉशिंगटन (एपी)। अमेरिका के विभागों में कर्मचारियों की कटौती के ट्रंप प्रशासन के कदम को आगे बढ़ाते हुए वहां के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सोमवार को सेना को विभाग के शीर्ष नेतृत्व के पदों में 20 फीसदी कटौती का निर्देश दिया। ट्रंप प्रशासन का मानना है कि इससे कार्यकुशलता बढ़ेगी, इससे सेना का राजनीतिकरण हो सकता है। हेगसेथ ने 'नेशनल गार्ड' को भी अपने शीर्ष नेतृत्व के पदों में 20 फीसदी की कटौती का निर्देश दिया और सेना को अपने बल में 'जनरल' और 'फ्लैग' अधिकारी के पदों में अतिरिक्त 10 फीसदी की कटौती करने का कहा है जिसमें एक-स्टार या उससे ऊपर के या नौसेना के समकक्ष अधिकारी शामिल हो सकते है।

महिलाओं के स्वास्थ्य की रक्षा में टीकाकरण सर्वोत्तम

नई दिल्ली। (एसएनबी)। टीकाकरण महिलाओं के स्वास्थ्य की रक्षा करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है। यह आवश्यक है कि हम इसके महत्व पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखें, खासकर युवा लड़कियों के बीच। यह कहना है गुरुग्राम की मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अलका सिंह का। डॉ. सिंह गुरुग्राम में आर्टेमिस हॉस्पिटल्स द्वारा डैफोडिल्स के उद्घाटन समारोह में चिकित्सा बिरादरी के विशेषज्ञों को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि इस तरह की परियोजनाएं जागरूकता बढ़ाने में मदद करेंगी और यह सुनिश्चित करेंगी कि हम उन सभी महिलाओं तक पहुँचें जिन्हें टीकाकरण की आवश्यकता है।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं और लड़कियों के बीच टीकाकरण के महत्व पर चर्चा भी हुई। इसका आयोजन डैफोडिल्स बाय आर्टेमिस हॉस्पिटल्स द्वारा गुरुग्राम ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटी (जीओजीएस) और फेडरेशन ऑफ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटीज ऑफ इंडिया (एफओजीएसआई) के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर आर्टेमिस हॉस्पिटल्स की प्रबंध निदेशक डॉ. देवलीना चक्रवर्ती ने महिलाओं के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए अस्पताल की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उद्घाटन पैनल ने लड़कियों और महिलाओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा में टीकाकरण की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

कई अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस ने पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल रोका

इस्लामाबाद (वार्ता)। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस के विमान पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र का उपयोग करने से बच रही हैं। अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस ने यह कदम जम्मू-कश्मीर में पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद उठाया गया है जिसमें 26 पर्यटक मारे गए थे। यह निर्णय लेने वाले एयरलाइंस में एयर फ्रांस, जर्मनी की एयरलाइंस लुफ्थांसा, ब्रिटिश एयरवेज और अमीरात एयरवेज शामिल हैं।

एयर फ्रांस ने सीएनएन से कहा कि उसने भारत और पाकिस्तान के बीच हाल में बढ़ते तनाव के कारण अगली सूचना तक इस्लामाबाद के हवाई क्षेत्र से उड़ानें निलंबित कर दी हैं। फ्रांस की अग्रणी एयरलाइंस ने कहा, एयरलाइन अपनी उड़ान अनुसूची और कुछ गंतव्यों के लिए उड़ान योजनाओं को अनुकूलित कर रही है और कहा कि कुछ मार्गो पर उड़ान के लिए अधिक समय की आवश्यकता होगी। जर्मनी के अग्रणी एयरलाइंस लुफ्थांसा ने अगली सूचना तक पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र से उड़ान भरने से बचने की पुष्टि की। उड़ान ट्रैकिंग डेटा से हालांकि पता चला है कि ब्रिटिश एयरवेज, स्विस इंटरनेशनल एयर लाइन्स और अमीरात की कुछ उड़ानें अरब सागर से यात्रा करने के बाद पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र से बचने के लिए भारत के हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल कर रही है।

कृष्ण जन्मभूमि मामले में राधा रानी को पक्षकार बनाने पर बहस पूरी

प्रयागराज (एसएनबी)। मथुरा स्थित श्री कृष्ण जन्मभूमि शाही ईदगाह विवाद में राधा रानी को भी पक्षकार बनाने की मांग में दाखिल अर्जी पर मंगलवार को बहस पूरी हो गई। रीना एन सिंह की अर्जी पर न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्र ने सुनवाई की।

रीना सिंह का कहना था राधा रानी को इस मामले में पक्षकार बनाया जाना जरूरी है, क्योंकि हिन्दू धर्म ग्रंथों में भी हर जगह कृष्ण के साथ राधा रानी का ही जिक्र आता है। उन्हें कृष्ण की पत्नी के रूप में स्वीकार किया गया है। ऐसे में राधा रानी को पक्षकार बनाना आवश्यक है। वहीं अन्य हिन्दू पक्ष के अधिवक्ताओं ने इसका विरोध किया। कहा कि कृष्ण की पत्नी रुक्मणि हैं, राधा नहीं। यदि कृष्ण के रिश्तेदारों को भी पक्षकार बनाया जाएगा तो यह सिलसिला रुकेगा नहीं और मूल वाद का उद्देश्य निरर्थक हो जाएगा। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद मामले में अगली सुनवाई के लिए 23 मई की तारीख लगा दी।

■ हिंदू पक्ष में मतभेद, एक पक्ष कर रहा है विरोध

मस्जिद को विवादित स्थल घोषित करने पर हुई बहस : हिंदू पक्ष के वादी एडवोकेट महेंद्र प्रताप सिंह ने मस्जिद को विवादित ढांचा घोषित करने की मांग की है। उनका कहना है कि जिस प्रकार राम जन्मभूमि विवाद में बाबरी मस्जिद को विवादित ढांचा घोषित किया गया था, उसी प्रकार कृष्ण जन्म भूमि पर बनी मस्जिद को भी विवादित ढांचा घोषित किया जाए। इससे न्यायालय के रिकार्ड में स्पष्टता बनी रहेगी। इस मामले में मुस्लिम पक्ष ने आपत्ति दाखिल कर दी है। महेंद्र बहादुर की ओर से प्रति उत्तर दाखिल किया गया है। अब अगली सुनवाई 23 मई को होगी।

पाकिस्तान में पानी की भारी किल्लत शुरू

इस्लामाबाद (वार्ता)।

भारत की ओर से पाकिस्तान में चिनाब नदी का प्रवाह रोके जाने के बाद नदी का जलस्तर कई गुना कम हो गया है, जिससे इस्लामाबाद में पानी की काफी किल्लत शुरू हो गई है। पाकिस्तान ने भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम पर आतंकवादी हमले के बाद 'जल युद्ध' में शामिल होने का आरोप लगाया है। भारत ने सोमवार को इस्लामाबाद को सूचित किए बिना जम्मू के बगलिहार और सलाल पनबिजली बांधों के माध्यम से पाकिस्तान में चिनाब नदी का प्रवाह रोक दिया, जिससे पहले से ही पानी की कमी से जूझ रहा पाकिस्तान में हाहाकार मच गया है।

■ भारत ने सोमवार को जम्मू के बगलिहार और सलाल पनबिजली बांधों के माध्यम से पाकिस्तान में चिनाब नदी का प्रवाह रोका

डॉन ने पाकिस्तानी अधिकारियों के हवाले से बताया कि पाकिस्तान में पंजाब के सियालकोट स्थित मारला हेडवर्क्स में दर्ज चिनाब का जलस्तर रविवार को 35 हजार क्यूसेक से घटकर सोमवार सुबह लगभग 21 हजार क्यूसेक रह गया, जो 11 गुना से अधिक की कमी दर्शाता है। पंजाब सिंचाई विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को इसकी पुष्टि की और कहा, रविवार को निर्णय लेने के बाद उन्होंने (भारतीय अधिकारियों ने) चिनाब नदी के बहाव को पाकिस्तान की ओर लगभग रोक दिया है। अधिकारी ने खेद जताते हुए कहा, वर्तमान में वे चिनाब बेसिन में अपने बांधों/जलविद्युत परियोजनाओं को भरने के लिए हमारे पानी का उपयोग कर रहे हैं।

उपन्यास 'जेम्स' व नाटक 'पर्पस' को पुलित्जर पुरस्कार

न्यूयॉर्क (एपी)।

■ पर्सिवल एवरेट और ब्रैंडन जैकब्स-जेनकिंस की पुरस्कृत रचनाएं अमेरिकी इतिहास और संस्कृति में नस्ली विचारधारा की करती हैं खोज

अमेरिकी लेखक पर्सिवल एवरेट के उपन्यास 'जेम्स' ने गल्प श्रेणी में पुलित्जर पुरस्कार जीता है। एवरेट की 'जेम्स' प्रसिद्ध अमेरिकी लेखक मार्क ट्वेन की 'द एडवेंचर्स ऑफ हकलबेरी फिन' से प्रेरित उनकी मौलिक परिकल्पना है। हकलबेरी की इस यात्रा के दौरान उसके दोस्त और उपन्यास के चरित्र जिम के दृष्टिकोण से इसे बयां किया गया है, जो एक गुलाम होता है। वहीं, अमेरिकी नाटककार ब्रैडन जैकब्स-जेनकिंस के नाटक 'पर्पस' ने इस श्रेणी में पुरस्कार जीता। 'पर्पस' एक संपन्न अश्वेत परिवार की कहानी है। इस नाट्य रचना को पिछले सप्ताह छह टोनी पुरस्कारों के लिए नामांकित भी किया गया। 'पुलित्जर पुरस्कार बोर्ड' ने सोमवार को विजेताओं की सूची जारी की। इस बार पुलित्जर पुरस्कार जीतने वाली अधिकतर रचनाएं अमेरिकी इतिहास और संस्कृति में नस्ली विचारधारा की खोज करती है।

एवरेट को मिला पुलित्जर पुरस्कार 2024 के सबसे प्रसिद्ध और लोकप्रिय अमेरिकी साहित्यिक उपन्यास के रूप में 'जेम्स' की पुष्टि करता है, जिसकी करोड़ों प्रतियां बिक चुकी है। वह अपनी 'डॉ. नो' के लिए पीईएन/जीन स्टीन पुरस्कार जीत चुके है, उन्होंने 'टेलीफोन' के लिए पुलित्जर पुरस्कार के लिए नामांकित लेखकों की सूची में स्थान पाया और 'द ट्रीज' के लिए 'बुकर' पुरस्कार के लिए नामित हुए। सोमवार को विजेताओं की सूची जारी होने से पहले ही 'जेम्स' ने अपनी गल्प रचना के लिए 'नेशनल बुक अवार्ड', 'किर्कस पुरस्कार' और 'कार्नेगी मेडल' जीत लिया था। पुलित्जर प्रशस्ति पत्र में 'जेम्स' की प्रशंसा एक 'सफल पुनर्विचार' कहकर की गई है जो 'नस्ली वर्चस्व की अर्थहीनता को दर्शाता है तथा परिवार एवं स्वतंत्रता की खोज पर एक नया दृष्टिकोण प्रदान करता है।'

न्यूयॉर्क टाइम्स ने चार, न्यूयॉर्कर को तीन पुलित्जर पुरस्कार

न्यूयॉर्क (एपी)। वर्ष 2024 में पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम के लिए न्यूयॉर्क टाइम्स ने चार और न्यूयॉर्कर पत्रिका ने तीन पुलित्जर पुरस्कार जीते। फेंटेनाइल संकट, अमेरिकी सेना और पिछले साल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या के प्रयास जैसे मामलों की कवरेज के लिए इन्हें सराहा गया। जन सेवा श्रेणी में पुलित्जर का प्रतिष्ठित पदक लगातार दूसरे वर्ष 'प्रोपब्लिका' को मिला। कविता सुराना, लिजी प्रेसर, कैसंड्रा जारामिलो और स्टेसी क्रैनिट्ज को उन गर्भवती महिलाओं पर रिपोर्टिंग के लिए सम्मानित किया गया, जिनकी मौत सख्त गर्भपात कानूनों वाले प्रांतों में उपचार मिलने में देरी के कारण हुई थी।

'वॉशिंगटन पोस्ट' ने ट्रंप की हत्या के प्रयास के मामले की सबसे तेज और तथ्यपरक कवरेज के लिए पुरस्कार जीता। जनवरी में 'वॉशिंगटन पोस्ट' को छोड़ देने वाली एन टेलनेस को भी सम्मानित किया गया। अखबार ने ट्रंप के साथ घनिष्ठता रखने वाले कुछ उद्योगपतियों के मजाकिया संपादकीय कार्टून को प्रकाशित करने से इनकार कर दिया था।

राज्यों को टायर पायरोलिसिस इकाइयों के लिए सख्त मानदंड लागू करने का निर्देश

नई दिल्ली (भाषा)।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने सभी राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों और समितियों से टायर पायरोलिसिस इकाइयों के संचालन के लिए संशोधित दिशा-निर्देशों का सख्ती से क्रियान्वयन सुनिश्चित करने को कहा है।

टायर पायरोलिसिस इकाई में पुराने टायरों का उच्च तापमान पर तापीय-रसायन पद्धति से पुनर्चक्रण करके औद्योगिक तेल और अन्य पदार्थ बनाए जाते है। टायर पायरोलिसिस की तकनीक टायरों को जलाने या ऐसे ही छोड़ देने का विकल्प प्रदान करती है, जबकि अगर उचित सुरक्षा उपायों के साथ इसका संचालन नहीं किया जाता है तो यह पर्यावरणीय जोखिम पैदा करती है। सीपीसीबी ने पिछले साल जनवरी में टायर पायरोलिसिस इकाइयों के लिए संशोधित मानक संचालन प्रक्रिया जारी की थी, जिसमें कहा गया कि केवल वे इकाइयां जो एडवांस बैच ऑटोमैटिड प्रोसेस का पालन करती हैं।

■ टायर पायरोलिसिस इकाई में पुराने टायरों का उच्च तापमान पर तापीय-रसायन पद्धति से पुनर्चक्रण कर तैयार किया जाता है औद्योगिक तेल

उन्हें ही संचालन की अनुमति दी जाएगी। इसके 29 अप्रैल के नवीनतम आदेश के अनुसार केवल एबीएपी का उपयोग करने वाली और 60 टन प्रति दिन तक की संचयी बैच क्षमता वाली इकाइयों को ही एक ही परिसर में संचालन की अनुमति दी जाएगी। नई इकाइयों के मामले में, कुल क्षमता इस सीमा से अधिक नहीं हो सकती जब तक कि सभी बैच एक सतत प्रक्रिया के रूप में काम न करें। सीपीसीबी ने इस साल 19 जनवरी और 20 मार्च को राज्य बोर्ड और समितियों से संशोधित मानक संचालन प्रक्रियाओं का कार्यान्वयन शुरू करने को कहा था।

एक नजर

प्रस्तावित मॉक ड्रिल की तैयारियों की मुख्य सचिव ने की समीक्षा बैठक

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। वर्तमान परिदृश्य में राज्य में नागरिक सुरक्षा सुदृढ़ीकरण एवं क्रियाशीलता के आकलन हेतु केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा प्रदत्त दिशा निर्देशों की पालना में मंगलवार को मुख्य सचिव सुधांश पंत की अध्यक्षता में राज्य के समस्त संभागीय आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, जिला कलेक्टर, जिला पुलिस अधीक्षक एवं सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारियों की वीसी के माध्यम से बैठक आयोजित की गई।

सचिवालय में आयोजित बैठक में आज प्रस्तावित मॉक ड्रिल एवं ब्लैक आउट हेतु संबंधित जिलों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि सभी संचार माध्यमों एवं सायरनो को तुरंत दुरुस्त किया जाकर संचार प्रणाली का सुदृढीकरण सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में गृह एवं आपदा प्रबंधन एवं नागरिक सुरक्षा, जल संसाधन एवं पीएचईडी विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य व स्वायत्त शासन विभागों के प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा शिक्षा एवं उच्च शिक्षा व तकनीकी शिक्षा विभागों के शासन सचिव, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के आयुक्त एवं संयुक्त शासन सचिव, पुलिस महानिदेशक राजस्थान, महानिदेशक इन्टेलिजेन्स, महानिदेशक गृह रक्षा, प्रबंध निदेशक, जयपुर, अजमेर एवं जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड़, प्रबंधक, उ.प. रेलवे जयपुर, कमाण्डेंट, राज्य आपदा प्रतिसाद दल, ग्रुप कैप्टन, एयर फोर्स स्टेशन, महाप्रबंधक, भारत संचार निगम लिमिटेड, कमाण्डेंट छठी बटालियन राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, एनसीसी निदेशक, जयपुर एयरपोर्ट निदेशक इत्यादि अधिकारीगण उपस्थित थे। सभी अधिकारीगण ने बैठक में आपसी समन्वय से मॉक ड्रिल संपन्न करने हेतु प्रतिबद्धता जाहिर की।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने भिवाड़ी में ली जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक

समावेशी आर्थिक विकास तभी संभव है जब हर हाथ को काम और हर व्यक्ति को आय का अवसर मिले : राज्यपाल बागडे

राजस्थान की राजनीति

भिवाड़ी। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को रीको गेस्ट हाउस सभागार भिवाड़ी में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे तथा योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए, ताकि उनका लाभ समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंच सके और वास्तविक जरूरतमंद वर्ग सशक्त हो सके।

उन्होंने योजनाओं के समयबद्ध, प्रभावी और परिणामोन्मुखी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल बागडे ने जल जीवन मिशन, पीएम सूर्य घर योजना, कुसुम योजना, प्रधानमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना, नरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित राजीविका, डेयरी एवं सहकारिता के विभाग की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने जिले में हीट वेव के संबंध में की गई तैयारियों एंव स्वास्थ्य सेवाओं और सूचकांकों की समीक्षा करते हुए

पोषण कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया।

राज्यपाल ने कहा कि समावेशी आर्थिक विकास की दिशा में सार्थक पहल तभी संभव है जब समाज के हर वर्ग को सम्मानजनक रोजगार और आय के अवसर उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि 'हर हाथ को काम और हर व्यक्ति को आय' की भावना को आत्मनिर्भर भारत की नींव मानते हुए हमें नीतियों और योजनाओं को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में राजीविका और सहकारिता विभाग की योजनाओं के माध्यम से सशक्त बने समूहों की सराहना करते हुए कहा कि इन योजनाओं के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक आर्थिक सशक्तिकरण की रोशनी पहुंचे इस दिशा में कार्य किया जाए।

बागडे ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि योजना का प्रचार-प्रसार कर सभी पात्र लाभार्थियों को आवास उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों के जल उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए ड्राई जोन में टैंकरों के माध्यम से पानी सप्लाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में प्रत्येक घर तक नल कनेक्शन की पहुंच सुनिश्चित की जाए, साथ ही उनकी कार्यात्मक स्थिति भी सुनिश्चित की जाए तथा योजना के तहत शेष रहे गांवों में त्वरित रूप से योजनांतर्गत कार्य करते हुए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल बागडे ने स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत सार्वजनिक स्थलों पर शौचालय निर्माण को प्राथमिकता देने, कचरा संग्रहण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा स्वच्छता मानकों का पालन करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने पंचायती राज विभाग द्वारा चलाई जा रही नरेगा योजना की समीक्षा करते हुए पात्र व्यक्तियों को योजना से लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल ने अभियान हरियालो-राजस्थान राजस्थान के तहत जिलेभर में सामूहिक वृक्षारोपण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केवल पौधारोपण ही नहीं, बल्कि आगामी वर्षों तक इन वृक्षों के संरक्षण और समुचित रखरखाव की ठोस व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि लगाए गए हर पौधे को पेड़ बनने का अवसर मिले और पर्यावरण संरक्षण का लक्ष्य साकार हो सके। उन्होंने शिक्षा को मानव कल्याण का सशक्त माध्यम बताते हुए विद्यालयों एवं छात्रावासों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बागडे ने कृषि विभाग को निर्देश दिए कि मृदा परीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत किसानों को अधिक से अधिक जागरूक किया जाए, ताकि वे स्वयं अपनी भूमि की मृदा जांच कराएं और वैज्ञानिक पद्धति से खेती कर उत्पादन एवं आय में वृद्धि कर सकें। उन्होंने फार्म पॉन्ड, फसल बीमा योजन के तहत अधिक से अधिक किसानों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने अलवर जिले में चलाए जा रहे निराश्रित गोवंश को आश्रय अभियान नवाचार की सराहन करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रीष्मकाल में बेसहार पशुओं के लिए पानी, छाया और चारे की समुचित व्यवस्थ सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सहकारिता की भावना को स्पष्ट करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य लाभ या हानि नहीं, बल्कि किसान और आमजन को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाना है। यही सहकारित की सच्ची सफलता है।

खानों के माइनिंग प्लान व माइनिंग योजनाओं का ऑनलाईन अनुमोदन शुरु : टी. रविकान्त

राज्य के 30 हजार अप्रधान खनिज लीजधारक और क्वारी लाइसेंस धारक होंगे लाभान्वित

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। राज्य के खान विभाग ने खानों के माइनिंग प्लान व माइनिंग योजनाओं के ऑनलाईन अनुमोदन की प्रक्रिया शुरु कर दी है। प्रमुख सचिव माइन्स, भूविज्ञान एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने बताया कि राज्य सरकार ने माइनिंग सेक्टर में सरलीकरण और पारदर्शी व्यवस्था की दिषा में एक कदम और बढ़ाते हुए पिछले दिनों एक मई से माइनिंग प्लान व माइनिंग योजनाओं का ऑनलाईन अनुमोदन का निर्णय किया था। उन्होंने बताया कि ऑनलाईन अनुमोदन की प्रक्रिया आरंभ हो गई है और जयपुर, ब्यावर, सिरोही, बारां, बांसवाड़ा, और चुरु में लाइमस्टोन बर्निंग, मेसेनरी स्टोन, ग्रेनाइट, लाइमस्टोन क्रेशर और क्वार्टज-फेल्सपार के माइनिंग प्लान व माइनिंग योजनाएं अनुमोदन के लिए प्रस्तुत की गई है।

टी. रविकान्त ने बताया कि नई व्यवस्था से करीब 30 हजार अप्रधान खनिज लीजधारक

और क्वारी लाइसेंसधारक लाभान्वित हो सकेंगे। अब उन्हें योजनाओं के अनुमोदन के लिए खनिज विभाग के कार्यालयों में चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। अप्रधान खनिजों के माइनिंग लीजधारकों व क्वारी लाइसेंसधारकों को माइनिंग प्लान व माइनिंग स्कीम का अनुमोदन करवाना होता है। नियमानुसार विभाग द्वारा 90 दिवस में अनुमोदन की कार्रवाई पूरी करनी होती है पर अनुमोदन में इससे अधिक समय भी लग जाता है।

निदेशक माइन्स दीपक तंवर ने बताया कि लीजधारक द्वारा माइनिंग प्लान व माइनिंग योजना के अनुमोदन के लिए ऑनलाईन आवेदन किया जाएगा। अनुमोदन की पूरी प्रक्रिया ऑनलाईन होने से कार्य में पारदर्शिताए समयवद्धता के साथ ही लीजधारक के समय की बचत व अनावष्यक असुविधा से राहत मिल सकेगी। ऑनलाईन व्यवस्था होने से लीजधारक अनुमोदन प्रक्रिया की प्रगति से भी अवगत हो सकेंगे और तय समयसीमा में ही अनुमोदन कार्रवाई पूरी हो सकेगी।

अतिरिक्त निदेशक विजिलेंस व प्रभारी पीआर आमेटा ने बताया कि एसीपी जयेश द्वारा विभाग के सभी फील्ड अधिकारियों को पूरी प्रक्रिया के संबंध में वर्चुअली प्रशिक्षण दिया गया है। माइनिंग इंजीनियर मनीष वर्मा द्वारा अधिकारियों को और अधिक जानकारी दी जाएगी ताकि कि ऑनलाईन आवेदन से लेकर अनुमोदन तक का कार्य सुव्यवस्थित तरीके से निष्पादित कर सके।

आज होगी मॉक ड्रिल

ब्लैक आउट के दौरान नागरिक रात्रि में कृत्रिम रोशनी का उपयोग नहीं करें : डॉ. सौम्या झा

राजस्थान की राजनीति

टोंक। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार आज जिला प्रशासन द्वारा मॉक ड्रिल की जाएगी। इसी की तैयारियों को लेकर जिला कलेक्टर डॉ. सौम्या झा एवं पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्र में बैठक ली। इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य नागरिकों को हवाई हमले को दौरान खुद को कैसे सुरक्षित रखे, ब्लैक आउट की व्यवस्था, यानि जरूरत पड़ने पर बिजली बंद कर दी जाए, ताकि दुश्मन को कोई लक्ष्य न दिखाई दे के बारे में जागरूक करना है। जिला कलेक्टर ने बताया कि इस अभ्यास से नागरिक सुरक्षा तंत्र की तैयारी का आकलन करना और उसे बढ़ाना है। बैठक में जिला कलेक्टर ने कार्यवाहक एडीएम परशुराम धानका को कंट्रोल रूम एवं शैडों कंट्रोल रूम स्थापना के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि चेतावनी सायरन बजने पर आमजन को एहतियाती उपायों के बारे में बताया जाएं। रात में बजने वाले सायरन, ब्लैक आउट के दौरान आमजन के द्वारा घरों में इनवर्टर, जनरेटर, इमरजेंसी लाइट, वाहन एवं प्रकाश का उपयोग नहीं करने के बारे में जागरूक किया जाएं।

जिला कलेक्टर ने नागरिक सुरक्षा प्लान अनुसार 12 सेवाओं के अधिकारियों की नियुक्ति किये जाने के निर्देश दिए। साथ ही, कहा कि शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में शेल्टर होम को चिन्हित कर लिया जाए। उन्होंने

विभिन्न शिक्षण संस्थानों में नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं जन जागरूक अभियान चलाये जाने के लिए निर्देशित किया। इसमें एनएसएस, एनसीसी, एनवाईकेएस, स्काउट व गाइड एवं इच्छुक वॉलिंटियर को शामिल कर प्रशिक्षित किया जाएं।

क्या होता है ब्लैक आउट

युद्ध के समय ब्लैक आउट एक ऐसी रणनीति है, जिसमें कृत्रिम रोशनी को न्यूनतम किया जाता है, ताकि रात्रि में दुश्मन आपकी लोकेशन का पता नहीं लगा सके ब्लैक आउट नियम घरों, कारखानों दुकानों और वाहन की रोशनी के नियंत्रित करते है। जिसमें खिड़कियं को ढ़कना, स्ट्रीट लाइट व गाड़ियं की हैडलाइट बंद रखना आदि शामिल है।

कुसुम योजना में 1 हजार मेगावाट ऊर्जा उत्पादन क्षमता का बनाया नया कीर्तिमान, 1 लाख 70 हजार से अधिक किसानों को दिन में मिलने लगी बिजली

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। सूरज भले ही हर दिन पूरब से उदित होता हो लेकिन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सौर ऊर्जा का सूर्य निश्चित तौर पर देश के पश्चिमी राज्य राजस्थान में चमक रहा है। सूर्य भगवान की विशेष कृपा से प्रदेश की सुनहरी रेतीली धरती में सौर ऊर्जा उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं, जिनके दोहन के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पहले दिन से ही निरंतर प्रयासरत हैं।

राजस्थान को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य की दिशा में पीएम-कुसुम योजना के माध्यम से एक बड़ी कामयाबी मिली है तथा राजस्थान ऐसा अग्रणी राज्य बन गया है जहां इस योजना के कम्पोनेंट-ए एवं कम्पोनेंट-सी के अन्तर्गत सौर ऊर्जा उत्पादन 1 हजार मेगावाट से अधिक हो गया है। सौर ऊर्जा का उपयोग कर किसानों को दिन में बिजली आपूर्ति की दिशा में भी राजस्थान तेजी से आगे बढ़ रहा है जिससे आज प्रदेश में 1 लाख 70 हजार से अधिक किसानों को दिन में बिजली सुलभ होने लगी है।

पीएम कुसुम योजना के कम्पोनेंट-ए एवं कम्पोनेंट-सी के तहत ही 560 ग्रिड कनेक्टेड विकेन्द्रित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर 70 हजार से अधिक कृषि उपभोक्ताओं को दिन में बिजली दी जा रही है।

वहीं इस योजना के कम्पोनेंट-बी में लगभग 1 लाख किसानों के कृषि पम्पों को सौर ऊर्जा से जोड़ा जा चुका है।

राज्य द्वारा योजना के सफल क्रियान्वयन को देखते हुए भारत सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कुसुम-ए में दो बार में कुल 6 हजार मेगावाट क्षमता के संयंत्रों के अतिरिक्त आवंटन को स्वीकृति दी है तथा कम्पोनेंट-सी में 2 लाख सोलर पम्पों का अतिरिक्त आवंटन किया है।

इस प्रकार इस योजना में प्रदेश में लगभग 12 हजार मेगावाट क्षमता के प्लांट स्थापित किए जाने का लक्ष्य रख कार्य किया जा रहा है।

अच्छी शिक्षा एवं उत्तम बौद्धिक क्षमता से ही विकसित भारत की संकल्पना साकार होगी : हरिभाऊ बागडे

अधिकारी सुनिश्चित करें कि प्रत्येक पात्र तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध पहुंचे : बागडे

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि अधिकारी सुनिश्चित करें कि प्रत्येक पात्र तक केंद्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध पहुंचे, आमजन को अनावश्यक कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े, काश्तकार व पशुपालकों को योजनाओं की जानकारी देकर उनकी आमदनी में बढ़ोत्तरी कर विकास की मुख्य धारा से जोड़ें।

बागडे मंगलवार को डायकीन जापनिज इंस्टीट्यूट ऑफ मैन्यूफैक्चरिंग एक्सीलेंस नीमराना में कोटपूतली-बहरोड़ के जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे।

बागडे ने विभागवार योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि शिक्षक विद्यार्थियों के किताबी ज्ञान के साथ-साथ बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करें, इसी से उनका सर्वांगीण विकास संभव है।

उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास एवं प्राचीन ग्रंथ ज्ञान के भंडार हैं। इससे आज का युवा बहुत कुछ सीख सकता है। उन्होंने देश के विद्वानों का उल्लेख करते हुये कहा कि भारत विश्वगुरू रहा है, यहां के प्राचीन ग्रंथो ने विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में हजारों साल पहले ही वो ज्ञान दिया है जिसे लेकर आज के वैज्ञानिक भी चकित हैं।

उन्होंने नई शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन के निर्देश देते हुए नीति के तहत 3 साल से अधिक उम्र के बच्चों का नामांकन करते हुए शिक्षा से जोड़ने को कहा।

उन्होंने जिले में ड्रॉप-आउट विद्यार्थियों को पुनः शिक्षा से जोड़ने हेतु किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली।

बागडे ने मनरेगा के तहत किए जा रहे विकास कार्यों की जानकारी लेकर मजदूरों को रोजगार उपलब्ध करवाते हुए सर्वांगीण विकास हेतु संवेदनशीलता से कार्य करने, अधिकाधिक वृक्षारोपण करने, ग्रामीण क्षेत्रों में खेल स्टेडियम, सामुदायिक भवन, जोहड़ आदि का निर्माण करते हुए विकास को गति देने को कहा।

उन्होंने पीएम आवास योजना की समीक्षा करते हुए जनजाति वर्ग, घुमंतू व अर्ध-घुमंतू समुदायों को पात्रता अनुसार मय शौचालय आवास उपलब्ध कराने को कहा, पीएम ग्राम सड़क योजना के तहत दूर-दराज तक ढाणियों व छोटी बस्तियों को सड़कों से जोड़ने, जल जीवन मिशन के अन्तर्गत प्रत्येक घर तक नल द्वारा जल पहुंचाने, कम भू-जल स्तर वाले क्षेत्रों में पीएम कृषि सिंचाई योजना से सिंचाई हेतु जल उपलब्ध कराने सहित पीएम कुसुम योजना व पीएम सूर्य घर योजना से अधिकाधिक लोगों को जोड़ते हुए सोलर पैनल लगाने हेतु प्रेरित करने के निर्देश दिए।

बागडे ने कृषि अधिकारी को मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के लाभों के बारे में किसानों को जानकारी देते हुए स्वयं किसानों द्वारा मृदा की जांच करवाने हेतु लैब में सैंपल भिजवाने के लिए जागरूक करने को कहा।

उन्होंने पीएम किसान सम्मान निधि योजना, नेशनल हेल्थ मिशन, महिला एवं बाल विकास विभाग, खनन विभाग, उद्योग विभाग सहित डेयरी विभाग की योजनाओं की समीक्षा कर पात्रों तक लाभ पहुंचाने के लिए विशेष कार्य योजना के साथ कार्य करने को कहा। बैठक के दौरान जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल ने पीपीटी के माध्यम से विभागवार प्रगति की जानकारी प्रदान की।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक एवं संपादक रमाकांत गोस्वामी द्वारा महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर छपवाकर/मुद्रित कर, पीपलेश्वर मंदिर के पीछे, नला मौहल्ला,दौसा (राजस्थान)-303303 से प्रकाशित किया। संपादक: रमाकान्त गोस्वामी, कार्यकारी संपादक भूपेंद्र कुमार शर्मा, स्थानीय संपादक: संजय लाटा (अवैतनिक) आरएनआई नं. RAJHIN/2012/43137, ब्रांच ऑफिस: 18k3, पंकज सिंघवी मार्ग, ज्योति नगर, जयपुर-302002, मो. नं. 7610866001, हैल्प लाईन नं.: 8946840063, ईमेल- tniawaz.news@gmail.com, Group of Sites- www.hpnews.in, www.right2action.in, www.jaipurtak.com, www.dharmjagran.com, www.hindustanpatrika.com, www.freedomathought.com, www.tniawaaz.in (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तदायी), किसी भी वाद-विवाद से निपटने के लिए न्यायालय जयपुर मान्य होगा।